https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

FIRST INDIA

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

Scan to Subscribe

वर्ष: 4 | अंक: 118 | जयपुर, बुधवार, 09 अप्रैल, 2025 | चैत्र, शुक्ल पक्ष-द्वादशी , विसं 2082 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 3.00

जरूरी खबर

ब्रह्माकुमारीज की प्रमुख दादी रतन मोहिनी का निधन

जयपुर। ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासक राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी का 101 वर्ष की आयु में सोमवार देर रात अहमदाबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे राजस्थान के आबूरोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख थीं। चार वर्ष पूर्व दादी हृदय मोहिनी के निधन के बाद उन्होंने मुख्य प्रशासिका का दायित्व संभाला था। उनका अंतिम संस्कार 10 अप्रैल को किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दादी को करुणामयी और सेवा भाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व बताया।

पेज 4 भी देखें

3 दिन की गिरावट पर ब्रेक, सेंसेक्स 1,089 अंक चढ़ा

मुंबई। बीएसई सेंसेक्स में मंगलवार को 1,089 अंक की तेजी दर्ज की गई, जिससे पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लग गया। सेंसेक्स 1.49% चढ़कर 74,227.08 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 374 अंक बढ़कर 22,535.85 पर पहुंचा। एशियाई और यूरोपीय बाजारों में मजबूती और निचले स्तर पर चौतरफा लिवाली से बाजार में सुधार दिखा। सोमवार को सेंसेक्स 2,226 अंक गिरा था, जो 10 महीने में सबसे बड़ी गिरावट थी।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 95711 98777
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

कोर्ट ने कहा... अगर सजा मिल रही है, तो गुनाह भी हुआ होगा... चारों दोषी फैसले के बाद कोर्ट से मुस्कुराते हुए बाहर आए

जयपुर बम ब्लास्ट: जिंदा बम केस में 4 आतंकियों को उम्रकैद

बेधड़क | जयपुर

13 मई 2008 को जयपुर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में विशेष अदालत ने मंगलवार को चांदपोल हनुमान मंदिर के पास मिले जिंदा बम केस में चार आतंकियों शाहबाज हुसैन, मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान और सरवर आजमी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने हर अभियुक्त पर अलग-अलग धाराओं के तहत कुल 1 लाख 60 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया है। विशेष न्यायाधीश रमेश कुमार जोशी ने फैसला सुनाते हुए कहा, कुदरत के फैसले पर कभी शक मत करना, अगर सजा मिल रही है तो गुनाह भी हुआ होगा। सबसे बड़ा न्यायालय हमारा मन होता है। उन्होंने आगे कहा कि अभियुक्तों ने देश और समाज के खिलाफ गंभीर अपराध किया है। उन्होंने जानबूझकर शहर को दहलाने की कोशिश की। इन आतंकियों ने नाबालिग के साथ मिलकर जयपुर की रैकी की और जगह-जगह बम प्लांट किए। धमाकों के बाद शाहबाज हुसैन ने इंडियन मुजाहिदीन के नाम से मेल भेजकर हमले की जिम्मेदारी ली थी।

सजा सुनाने के बाद कोर्ट से बाहर आते चारों दोषी।

कोर्ट में पेश हुए थे 100 से अधिक गवाह

विशेष लोक अभियोजक सागर तिवाड़ी ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने 100 से अधिक गवाह और एक हजार से ज्यादा दस्तावेज अदालत में पेश किए। गवाहों में पूर्व एडीजी एके जैन, पत्रकार प्रशांत टंडन और साइकिल मिस्त्री दिनेश महावर भी शामिल रहे। इससे पहले 4 अप्रैल को अदालत ने चारों आतंकियों को दोषी करार दिया था और सजा पर फैसला सुरक्षित रखा गया था। सजा सुनाए जाने से पहले बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने सजा में नरमी बरतने की अपील की, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

ऐसे में देश में कौन सुरक्षित रहेगा?

जज रमेश कुमार जोशी ने अपने आदेश में कहा, जयपुर गुलाबी नगरी के नाम से जाना जाता है। इस शहर में ऐसी घटना से लोगों के दिलों में दहशत भर गई। देश के लोग ही अगर षड्यंत्र रचेंगे और दूसरों के दुश्मन बनेंगे, तो देश में कौन सुरक्षित रहेगा? फैसले के बाद चारों आरोपी कोर्ट से मुस्कुराते हुए निकले, उनके चेहरे पर कोई अफसोस या शर्मिंदगी नहीं थी। अदालत ने दो टूक कहा कि ऐसे मामलों में कोई नरमी नहीं बरती जा सकती, यह देश की सुरक्षा और समाज के विश्वास का मामला है।

किस धारा में कितनी सजा और जुर्माना

- **IPC 120B:** 7 साल कैद, ₹10,000 जुर्माना
- **IPC 121A:** उम्रकैद, ₹20,000 जुर्माना
- **IPC 153A:** 3 साल जेल, ₹20,000 जुर्माना
- **IPC 307:** 10 साल जेल, ₹10,000 जुर्माना
- **UAPA 13:** 7 साल जेल, ₹20,000 जुर्माना
- **UAPA 18:** उम्रकैद, ₹20,000 जुर्माना
- **ESAct 4, 5, 6:** तीनों में उम्रकैद और ₹20,000- ₹20,000 का जुर्माना

सीएम ने नहरी प्रणाली का किया निरीक्षण

नहरों की मरम्मत से किसानों को मिलेगा पूरा पानी: सीएम

अपने बीच मुख्यमंत्री को देख गदगद हुए किसान

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों को उनके हक का पानी सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सोमवार को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में विभिन्न नहरों, हेड और बैराजों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश की नहर प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए 3 हजार 400 करोड़ रुपए की लागत से मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी नहर और भाखड़ा नांगल नहर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का दौरा कर नहर प्रणाली की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सिंचाई से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि पक्के खालों के पुनर्निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को अब पूरा किया जाएगा। इसके तहत संगरिया, टिब्बी, रावतसर, हनुमानगढ़ और पीलीबंगा क्षेत्र में 590 करोड़ रुपए की लागत से 1.07 लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई तंत्र को और बेहतर बनाया जाएगा।

मैप के माध्यम से दी जल प्रवाह की जानकारी

मुख्यमंत्री ने हरिके बैराज, लखूवाली हेड, लोहगढ़ हेड और सरहिंद फीडर लिंक का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने मैप के माध्यम से जल प्रवाह और नहरों की स्थिति की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर, विधायक गुरवीर सिंह बराड़, संजीव बेनीवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार जल, ऊर्जा और निवेश के क्षेत्र में राज्य को अग्रणी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। हाल ही में हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू किए गए हैं, जो प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

सीएम भजनलाल शर्मा पंजाब में हरि के बैराज पर अवलोकन करते हुए। साथ में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और अधिकारी।

सीएम भजनलाल का स्वागत करते पूर्व सासंद निहाल चंद मेघवाल, मंत्री हीरालाल नागर सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता।

हर संकल्प को साकार करने की दिशा में कार्य

हनुमानगढ़ के लखूवाली, घग्घर डायवर्जन चैनल और कोहला समेत कई स्थानों पर मुख्यमंत्री का किसानों और आमजन ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि वह खुद किसान परिवार से आते हैं और किसानों की पीड़ा को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार किसान हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने यह भी बताया कि उनकी सरकार द्वारा प्रदेश के नहरी तंत्र के आधुनिकीकरण हेतु कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। राज्य बजट 2024-25 में इंदिरा गांधी नहर के बेहतर संचालन के लिए 23 करोड़ रुपए की लागत से स्काडा सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जबकि फिरोजपुर फीडर के अंतर्गत राजस्थान के हिस्से का पानी सुनिश्चित करने के लिए 200 करोड़ रुपए के कार्य प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र में 325 करोड़ रुपए की लागत से बाढ़ नियंत्रण एवं सुरक्षा संबंधी कार्य किए जाएंगे, ताकि जन-धन की हानि को रोका जा सके।

अहमदाबाद: कांग्रेस सीडब्ल्यूसी की बैठक

कांग्रेस ने पटेल की विरासत को लेकर भाजपा को घेरा

बेधड़क | अहमदाबाद

कांग्रेस ने मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में अहमदाबाद स्थित 'सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय स्मारक' में सीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित कर भाजपा पर करारा प्रहार किया। पार्टी ने एक विशेष प्रस्ताव पारित कर भाजपा की 'धार्मिक ध्रुवीकरण और विभाजन की राजनीति' की आलोचना की और पटेल के आदर्शों का अनुसरण करते हुए उसका मुकाबला करने की बात कही। बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह अवसर पार्टी के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि इस वर्ष महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की 100वीं वर्षगांठ और सरदार पटेल की 150वीं जयंती है। पारित प्रस्ताव में कहा गया कि आज देश को धार्मिक ध्रुवीकरण और सांप्रदायिकता की विचारधारा नफरत की खाई में धकेल रही है। ऐसे में कांग्रेस पटेल के सिद्धांतों और एकता के मूल्यों का अनुकरण करते हुए समाज को जोड़ने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि सरदार पटेल की विरासत केवल प्रतीकों तक सीमित नहीं हो सकती, बल्कि उसे व्यवहार में लाने की आवश्यकता है।

हम दलित, मुस्लिम-ब्राह्मण में उलझे: राहुल

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में मंगलवार को राहुल गांधी ने कहा कि हम दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण में उलझे रहे और ओबीसी हमारा साथ छोड़ गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राहुल ने यह भी कहा कि हम मुस्लिमों की बात करते हैं, इसलिए हमें मुस्लिम परस्त कहा जाता है। हमें ऐसी बातों से डरना नहीं है, मुद्दे उठाते रहना है।

पटेल की विचारधारा RSS के खिलाफ थी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के खिलाफ थी। उन्होंने भाजपा और संघ पर गांधी से जुड़ी संस्थाओं पर कब्जा करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि ये संगठन गांधी का प्रतीक तो अपना सकते हैं, लेकिन उनके आदर्शों को नहीं अपना सकते।

केंद्र ने जारी की अधिसूचना

वक्फ कानून 2025 लागू

बेधड़क | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लागू करने की अधिसूचना जारी की। यह अधिनियम आठ अप्रैल से प्रभावी हो गया है। संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 अप्रैल को इसे मंजूरी दी थी। भाजपा नेतृत्व वाले राजग ने इसे पारदर्शिता और सशक्तीकरण की दिशा में कदम बताया, जबकि विपक्ष और कई मुस्लिम संगठनों ने इसे असंवैधानिक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सरकार ने इसे वक्फ प्रबंधन में सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताया है।

केंद्र ने दायर की कैविएट, सुनवाई 15 अप्रैल को संभावित

केंद्र सरकार ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर की है। सरकार ने आग्रह किया है कि याचिकाओं पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले उसे सुना जाए। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीयत उलेमा-ए-हिंद और कई नेताओं द्वारा दायर 10 से अधिक याचिकाएं 15 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो सकती हैं।

भाजपा ने ज्ञानदेव आहूजा को किया निलंबित, मांगा जवाब

बेधड़क.जयपुर। अलवर के एक मंदिर में 'शुद्धिकरण' को लेकर विवाद में घिरे पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा को भाजपा ने प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया है। पार्टी ने तीन दिन में जवाब मांगा है। आहूजा ने कांग्रेस नेता टीकाराम जूली की मौजूदगी के बाद मंदिर में गंगाजल छिड़ककर शुद्धिकरण किया था। भाजपा ने इसे अनुशासनहीनता बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे दलित विरोधी मानसिकता करार देते हुए जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया। आहूजा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को धार्मिक आयोजनों में शामिल होने का नैतिक अधिकार नहीं है।

नौ राज्यों में हीटवेव की चेतावनी

बाड़मेर में पारा 46.4 डिग्री पहुंचा, रेड अलर्ट जारी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। मंगलवार को बाड़मेर में तापमान 46.4° सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। मौसम विभाग ने बाड़मेर और जैसलमेर समेत प्रदेश के कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। जैसलमेर में पारा 45° तक पहुंच गया, जबकि गंगानगर में तापमान सामान्य से 9.4° अधिक 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को भी बाड़मेर, जैसलमेर, गंगानगर, बीकानेर और जोधपुर में भीषण गर्मी को लेकर रेड और येलो अलर्ट जारी रहेगा। राज्य के कई जिलों में रात का तापमान भी सामान्य से कहीं अधिक बना हुआ है।

पेज 4 भी देखें

13 राज्यों में बारिश की संभावना

भारतीय मौसम विभाग ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल समेत कुल 9 राज्यों में लू का अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत के 13 राज्यों में आंधी-तूफान व हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। राजस्थान में 10 अप्रैल से मौसम में बदलाव होगा।

मुस्लिम समुदाय के पिछड़े वर्गों और महिलाओं के हित में कानून

वक्फ कानून बड़ा न्यायिक परिवर्तन: पीएम मोदी

बेधड़क | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम को सामाजिक न्याय की दिशा में केंद्र सरकार का एक और ठोस कदम बताया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार द्वारा 2013 में बनाया गया वक्फ कानून मुस्लिम कट्टरपंथियों और भू-माफियाओं को खुश करने के उद्देश्य से लाया गया था, जिससे यह भ्रम पैदा हुआ कि वक्फ कानून संविधान से ऊपर है। प्रधानमंत्री ने यह बातें एक न्यूज चैनल के समिट को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि संशोधित

वक्फ अधिनियम मुस्लिम समुदाय के पिछड़े वर्गों और महिलाओं के हित में है। उन्होंने कट्टरपंथियों को बढ़ावा देने वाली तुष्टीकरण की राजनीति पर विपक्ष को घेरा और कहा कि संसद में हुई चर्चा के दौरान भी यह रवैया देखने को मिला।

मुस्लिम समुदाय को सिर्फ अशिक्षा और बेरोजगारी मिली

प्रधानमंत्री ने कहा कि 1947 में देश के विभाजन के पीछे भी तुष्टीकरण की यही नीति जिम्मेदार थी, जब कांग्रेस के कुछ नेताओं ने कट्टरपंथी विचारों का समर्थन किया था, जबकि आम मुसलमान इससे सहमत नहीं थे। उन्होंने शाहबानो मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों की बलि दी गई और मुस्लिम समुदाय के गरीब व पिछड़े वर्गों को सिर्फ अशिक्षा, बेरोजगारी और उपेक्षा ही मिली। मोदी ने वक्फ बोर्ड द्वारा केरल, हरियाणा और कर्नाटक में चर्चों, गुरुद्वारों और किसानों की जमीन पर किए गए कथित दावों का उदाहरण देते हुए कहा कि यह कानून अब उन भ्रमों को समाप्त करेगा और पारदर्शिता लाएगा।

सरकार ने पहले 100 दिनों में तेजी से लिए है फैसले

मोदी ने संसद को इस कानून को पारित करने के लिए बधाई दी और कहा कि यह भारत के संसदीय इतिहास में दूसरी सबसे लंबी बहसों में से एक रही। उनकी सरकार ने पहले 100 दिनों में तेजी से फैसले लिए हैं और युवाओं की आकांक्षाएं सरकार की नीतियों में झलकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब न तो झुकने वाला है और न ही रुकने वाला, और यह तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आतंकवाद और नक्सलवाद पर नियंत्रण, जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता के साथ लिए गए फैसलों का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति, स्थिरता और सुरक्षा ही भारत के तीव्र विकास की बुनियाद हैं।

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के जमीन आवंटनों को लेकर बनी कैबिनेट सब कमेटी ने लिया फैसला

लीज राशि जमा करवा कर कब्जा लेने वालों के आवंटन नहीं होंगे निरस्त

- पूर्ववर्ती सरकार में कुछ जमीनों के आवंटन में मिली हैं अनियमितताएं
- रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सौंपी जाएगी
- बैठक में मंत्री जोगाराम पटेल, मंजू बाघमार और गजेंद्र सिंह खींवसर शामिल हुए
- कैबिनेट सब कमेटी की आखिरी बैठक

बैठक में चर्चा करते मंत्री जोगाराम पटेल, गजेन्द्र सिंह व मंजू बाघमार।

बेधड़क | जयपुर

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के अंतिम छह महीनों में किए गए जमीन आवंटनों को लेकर बनी कैबिनेट सब कमेटी की अंतिम बैठक मंगलवार को सचिवालय में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में फैसला लिया गया कि जिन संगठनों ने जमीन की लीज राशि जमा करवा कर कब्जा ले लिया है, उनके आवंटन जनहित में निरस्त नहीं किए जाएंगे। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल व महिला एवं बाल विकास विभाग राज्यमंत्री मंजू बाघमार भी शामिल हुईं। वहीं, मंत्री सुमित गोदारा अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण उपस्थित नहीं हो सके। डेढ़ घंटे से ज्यादा चली बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। कमेटी ने बताया कि पिछली सरकार में कुछ जमीनों के आवंटन रातों-रात किए गए थे, जिनमें अनियमितताएं पाई गई हैं। ऐसे मामलों की सूची भी तैयार कर ली गई है। इनकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सौंपी जाएगी।

गहलोत सरकार ने हड़बड़ी में किए कई फैसले

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि गहलोत सरकार ने आचार संहिता से ठीक पहले हड़बड़ी में कई फैसले किए, जिनमें बड़ी अनियमितताएं सामने आई हैं। चाहे जमीन आवंटन का मामला हो, मेडिकल विभाग में 600 करोड़ का लोन लेने का मामला, बिना टेंडर के पैसा खर्च करने का मामला हो या गांधी वाटिका का मामला हो, ऐसे कई मामले सामने आए थे।

विभागों की रिपोर्ट से तैयार करेंगे अपनी रिपोर्ट

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि समीक्षा के दौरान भारी अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। हमने विभागों से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि विभाग खुद ही जांच करके अपनी तथ्यात्मक रिपोर्ट हमें भेज दें। इसके बाद हम इस रिपोर्ट के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग राज्यमंत्री मंजू बाघमार ने कहा कि इससे पहले कमेटी के सदस्यों के बीच भी बैठकें होंगी, जिसमें विभागों की ओर से दी गई रिपोर्ट पर चर्चा होगी। इसके बाद अंतिम निष्कर्ष तैयार किया जाएगा।

अंतिम फैसला लेंगे सीएम

बैठक के बाद मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि सरकार को अब फाइनल रिपोर्ट भेजी जाएगी। उसके बाद कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री इस पर फैसला लेंगे। इनमें कांग्रेस सरकार के अंतिम छह माह में गठित 26 बोर्ड और आयोग को लेकर भी निर्णय होना है। दरअसल, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में 36 नए बोर्ड और आयोगों का गठन किया था। इनमें से 26 बोर्ड और आयोग आचार संहिता के 6 महीने पहले घोषित किए थे।

जरूरी खबर

दिगराज सिंह राष्ट्रीय महासचिव व संयोजक नियुक्त

बेधड़क,जयपुर। कांग्रेस ने दिगराज सिंह को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव व राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया है। दिगराज सिंह लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और वर्तमान में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष के पद पर भी कार्यरत हैं। इसके साथ ही पार्टी ने किसान कांग्रेस में अन्य नेताओं को भी अहम जिम्मेदारियां सौंपी हैं। राजकुमार यादव और सतपाल सिंह सिद्धू को राष्ट्रीय संयोजक व सुरेश यादव और सुखपाल सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त समन्वयक की भूमिका दी है, जबकि हिमांशु शर्मा को किसान नेता पद पर नियुक्त किया गया है।

सीएम से वार्ता के बाद कर्मचारियों की रैली स्थगित

बेधड़क,जयपुर। पदोन्नति में दो साल की शिथिलता सहित विभिन्न मांगों को लेकर सचिवालय परिसर में मंगलवार को प्रस्तावित ध्यानाकर्षण रैली मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सकारात्मक वार्ता के बाद स्थगित कर दी गई। सुबह विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान कार्मिक विभाग के सचिव के के पाठक और वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सचिवालय अधिकारी सेवा संघ के अध्यक्ष दलजीत सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री से हुई वार्ता के बाद रैली स्थगित कर दी है। मुख्यमंत्री ने हमारी दो प्रमुख मांगों की पत्रावलियों को अनुमोदित कर दिया है। जिनमें पदों के अनुपात में नए पदों का सृजन भी शामिल है।

परशुराम सेना ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

जयपुर। परशुराम सेना के पदाधिकारियों ने सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर भगवान परशुराम का प्रतीक चिह्न 'फरसा' भेंट किया और ब्राह्मण समाज से जुड़ी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। परशुराम सेना के प्रदेश मीडिया प्रभारी धीरज मिश्रा ने बताया कि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मीत गौतम के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से समाज की सामाजिक और धार्मिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए विप्र आयोग का गठन, ईडब्ल्यूएस कोटे में संशोधन तथा मठ-मंदिरों के संरक्षण और सुधार जैसी कुल 9 मांगें शीघ्र पूरी करने की मांग की।

ज्ञानदेव आहूजा के बयान से उपजा विवाद

कांग्रेस का प्रदर्शन, भाजपा ने आहूजा को किया निलंबित

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने आहूजा को याद दिलाई पार्टी की प्रतिज्ञा

बेधड़क | जयपुर

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा अलवर स्थित राम मंदिर में दर्शन करने पर भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा की ओर से जताई गई आपत्ति और बयान से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। रामनवमी के दिन जूली मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए थे, जिस पर आहूजा ने आपत्ति जताते हुए मंदिर में गंगाजल का छिड़काव किया। आहूजा के इस कृत्य को लेकर कांग्रेस ने प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन किया और उनका पुतला फूंका। वहीं, भाजपा ने आहूजा पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने आहूजा को पार्टी की सदस्यता के दौरान ली गई प्रतिज्ञा याद दिलाते हुए लिखित में जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बयान और कृत्य से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के अलावा कई सामाजिक संगठनों ने भी आहूजा के बयान की निंदा की और विरोध प्रदर्शन किए। भीम सेना के कार्यकर्ताओं ने आहूजा के घर के बाहर कालिख पोती।

शहर में बड़ी चौपड़ पर विरोध प्रदर्शन कर आहूजा का पुतला फूंकते कांग्रेस कार्यकर्ता।

कांग्रेस ने आपराधिक मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की

ज्ञानदेव आहूजा द्वारा मंदिर में गंगाजल छिड़कने और जूली व कांग्रेस पर टिप्पणी करने के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस ने प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन करते हुए आहूजा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की। जूली के गृह जिले अलवर में प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि ज्ञानदेव आहूजा ने बीजेपी के कहने पर ही राम मंदिर में गंगाजल का छिड़काव किया था। पार्टी का हाथ ज्ञानदेव के कंधे पर है। वहीं, जयपुर के बड़ी चौपड़ पर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला शहर कांग्रेस कमेटी ने आहूजा का पुतला फूंका। इस दौरान प्रदर्शन में कांग्रेस विधायक अमीन कागजी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष आरआर तिवाड़ी ने कहा कि आहूजा का बयान और कृत्य दर्शाता है कि दलितों को लेकर भाजपा की सोच और मानसिकता कितनी संकीर्ण है। कांग्रेस का कार्यकर्ता चुप बैठने वाला नहीं है। भाजपा को आने वाले दिनों में दलित समाज सबक सिखाएगा। इसके अलावा अजमेर, जोधपुर, जैसलमेर, धौलपुर, कोटा, झालावाड़, उदयपुर, डूंगरपुर सहित कई जिलों में विरोध प्रदर्शन किया गया।

तीन दिन में मामले पर जवाब मांगा: राठौड़

आहूजा के बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि उनके बयान से पार्टी बिल्कुल भी इत्तेफाक नहीं रखती, उनका समर्थन नहीं करती। जैसे ही मामला संज्ञान में आया तत्काल प्रभाव से इस पर कठोर एक्शन लिया है। इसके साथ ही उनसे तीन दिन में इस पूरे मामले पर जवाब मांगा है। वहीं, भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने आहूजा को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं और भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर निर्वाचित विधायक भी रह चुके हैं। ऐसे में मंदिर में पूजा अर्चना के लिए रोकना और उसके बाद गंगाजल छिड़कने का कृत्य घोर अनुशासनहीनता की परिभाषा में आता है।

पूर्व मंत्री शांति धारीवाल से जुड़ा मामला

एकल पट्टा प्रकरण में अब सुनवाई 15 अप्रैल को

बेधड़क | जयपुर

हाई कोर्ट में मंगलवार को पूर्व मंत्री शांति धारीवाल से जुड़े चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता रहे अशोक पाठक को पक्षकार बनाए जाने के मुद्दे पर बहस हुई। वहीं, अदालत ने शांति धारीवाल के वकील की मां के निधन के चलते मामले की सुनवाई 15 अप्रैल को रखी है। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार की ओर से गठित जस्टिस आरएस राठौड़ कमेटी के गठन को चुनौती देने वाली याचिका को मामले में अलग कर दिया है। कोर्ट ने पूर्व आईएएस जीएस संधू की इस याचिका को नियमित बैंच के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव की एकलपीठ ने यह आदेश शांति धारीवाल और राज्य सरकार की आपराधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। सरकार की ओर से कहा गया कि हम मामले को चलाना चाहते हैं।

याचिका नियमित रोस्टर वाली एकलपीठ में भेजी

सुनवाई के दौरान संधू और तत्कालीन अधिकारियों के वकीलों ने मामले में अशोक पाठक के पक्षकार बनने के प्रार्थना पत्र का विरोध किया। सरकार के पीपी अभिनव शर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों को सुनवाई के लिए सीजे की एकलपीठ में भेजा है। जीएस संधू ने जस्टिस आरएस राठौड़ कमेटी के गठन को लेकर प्रशासनिक आदेश को चुनौती दी है। ऐसे में आपराधिक मामले के साथ इस याचिका की सुनवाई नहीं हो सकती। अदालत को बताया कि धारीवाल के अधिवक्ता की मां का निधन हो गया है। इस पर अदालत ने सुनवाई 15 अप्रैल को तय करते हुए राठौड़ कमेटी को चुनौती देने वाली याचिका को नियमित रोस्टर वाली एकलपीठ में भेज दिया है।

2 आरपीएस अधिकारियों के तबादले

बेधड़क | जयपुर

गृह विभाग ने आदेश जारी कर 2 आरपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। आदेश के अनुसार कैलाश चंद को कठूमर से लीव रिजर्व जयपुर रेंज और रामेश्वर सारण को सरदारशहर से अभय कमांड बीकानेर लगाया गया है।

आरटीई के तहत प्रवेश की लॉटरी आज

बेधड़क, जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर बुधवार को सुबह 10:30 बजे शिक्षा संकुल में राइट टू एजुकेशन के तहत कक्षा एक से आठवीं तक के प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की लॉटरी निकालेंगे।

बेधड़क TOON

-शेखर

प्रदेश में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा

गर्मी से पहले पूरे हों समर कंटीन्जेंसी के कार्य: सावंत

बेधड़क | जयपुर

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समर कंटीन्जेंसी और बजट घोषणा 2024-25 के तहत स्वीकृत ट्यूबवैल व हैण्डपंप के कार्यों को शीघ्र पूरा करें, ताकि गर्मियों में आमजन को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़े। मंगलवार को वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक में सावंत ने भरतपुर रीजन में शून्य प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कम प्रगति वाले जिलों में समयबद्ध कार्य योजना बनाई जाए और समय पर कार्य पूरे नहीं होने पर जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पशु बीमा पॉलिसी की धीमी गति से पशुपालन मंत्री कुमावत हुए नाराज

बेधड़क | जयपुर

पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को आरएलडीबी सभागार में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक ली। कुमावत ने वीसी के जरिए जिलों के संयुक्त निदेशकों से संवाद कर विभिन्न योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री कुमावत ने बीमा पॉलिसी की धीमी गति पर असंतोष जताते हुए दो माह में सभी पात्र पशुओं की बीमा पॉलिसी जारी करने को कहा। मोबाइल वेटरनरी यूनिट की कमियों पर चिंता व्यक्त कर कहा कि यह भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसका प्रचार-प्रसार बढ़ाकर शिकायतों के निराकरण के लिए जिलों के अधिकारी सजग रहें।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया बोले...

नए बिल के बाद जनजाति वर्ग की जमीन पर वक्फ का दावा नहीं रहेगा

बेधड़क | जयपुर

वक्फ संशोधन बिल को लेकर भाजपा की ओर से आमजन को जागरूक किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को वक्फ बिल संशोधन को लेकर भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सांसद चुन्नीलाल गरासिया और मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीना ने प्रेसवार्ता कर बिल के फायदे बताए। इस दौरान गरासिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ संशोधन बिल में जनजाति वर्ग के लिए चिंता और चिंतन किया है। अब नए बिल के बाद जनजाति वर्ग की जमीन पर वक्फ का दावा नहीं किया जा सकता। इस बिल में जनजाति समाज का ध्यान रखते हुए मोदी सरकार ने अपनी नीति सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास को चरितार्थ करने का काम किया है। गरीब और जरूरतमंद मुस्लिम भाई-बहनों को वक्फ संपत्ति का लाभ दिलाने के लिए मोदी सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय किया है। इस बिल को पास करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी किसी धर्म, वर्ग या समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि भाजपा सभी के कल्याण और उत्थान के लिए योजनाएं बना रही है।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया।

10 करोड़ से अधिक एसटी वर्ग को मिलेगा लाभ

नारायण मीना ने कहा कि संविधान की पांचवी एवं छठी अनुसूची के प्रावधानों के अंतर्गत जनजाति के सदस्यों से संबंधित कोई भी भूमि वक्फ की संपत्ति घोषित नहीं की जाएगी का प्रावधान करने पर पीएम का आभार। इस फैसले से देश के 10 करोड़ से अधिक जनजाति वर्ग के लोगों को लाभ मिलेगा।

अंबेडकर जयंती पर भाजपा मनाएगी सेवा पखवाड़ा

भाजपा की ओर से अंबेडकर जयंती व प्रदेश लाभार्थी किसान सम्मेलन के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों को लेकर जिला प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने नियुक्ति करते हुए बताया कि 7 से 12 अप्रैल तक किसान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, अंबेडकर जयंती पर 15 से 25 अप्रैल तक सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। 14 अप्रैल को भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों पर माल्यार्पण, मिठाइयां बांटने व संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराने के कार्य होंगे।

7 से 25 अप्रैल तक होगी ये गतिविधियां

7 से 12 अप्रैल तक किसान लाभार्थियों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इसमें किसान योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात कर संवाद स्थापित करना, पंचायत भवन, पशु चिकित्सालय और कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा करना, जल निकायों की सफाई करना एवं किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं को शाम के समय भाजपा का झंडा लेकर गांव में यात्रा निकालकर किसान चौपाल आयोजित करना शामिल होंगे। 15 से 25 अप्रैल तक सेवा पखवाड़ा के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के नेताओं के साथ जिला स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इस संगोष्ठी में भीमराव अंबेडकर के जीवन के विभिन्न पड़ावों पर कांग्रेस द्वारा किए गए अपमान और भाजपा द्वारा दिए गए सम्मान पर चर्चा होगी।

जरूरी खबर

एक्सप्रेस-वे से नीचे गिरा कारों से भरा कंटेनर

बेधड़क, जयपुर। करधनी इलाके में नांगल पुलिया के पास मंगलवार शाम को कारों से भरा कंटेनर अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे से नीचे गिर गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि कंटेनर चालक को चोटें लगी हैं। जानकारी के मुताबिक हाईवे किनारे एक पुरुष व एक महिला बाइक खड़ी कर खड़े थे। कंटेनर की चपेट में आने से बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और महिला व पुरुष को हल्की चोटें आई हैं। एएसआई फूलचंद ने बताया कि कारों से भरा कंटेनर मुंबई से आया था और गुरुग्राम जा रहा था। इस दौरान शाम करीब साढ़े चार बजे नांगल पुलिया के पास अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे से नीचे गिर गया।

नाहरगढ़ सेंचुरी में वन्यप्राणी के हमले से बुजुर्ग की मौत

बेधड़क, जयपुर। नाहरगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी क्षेत्र में वन्यप्राणी के हमले से 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। यह घटना सोमवार दोपहर की है, जब जैसल्या गांव निवासी बिरधा राम गुर्जर बाबा रामदेव मंदिर के दर्शन करने गए थे। मृतक के परिजनों का कहना है कि बिरधा राम की मौत जरख के हमले से हुई है। हमले के बाद उन्हें घायल अवस्था में तत्काल कांवटिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम और डीसीएफ विजयपाल सिंह मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

एडिशनल कमिश्नर ने ली पुलिस अफसरों की मीटिंग

जयपुर. बेधड़क। अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर मंगलवार को आयुक्तालय के एडिशनल कमिश्नर डॉ. रामेश्वर सिंह ने डीसीपी वेस्ट ऑफिस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की सभी शाखाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि यह वार्षिक निरीक्षण था, जिसमें एडिशनल कमिश्नर ने विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर स्टाफ से सीधे बातचीत की और कार्यप्रणाली की जानकारी ली। बैठक के दौरान जिले में अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की।

हिट एंड रन मामला: मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख के मुआवजे व संविदा पर नौकरी का ऐलान

कार के कहर ने छीनी रिश्तों की डोर

बेधड़क | जयपुर

जयपुर में सोमवार की रात को हिट एंड रन हादसे में कार से कुचले जाने वालों में से मृतकों की संख्या मंगलवार को तीन हो गई। नाहरगढ़ इलाके में चालक ने तेज रफ्तार में कार दौड़ाकर कुल 9 लोगों को घायल किया था, जिसमें से तीन की मौत हो गई। मंगलवार सुबह शास्त्री नगर निवासी वीरेंद्र सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। इससे पहले हादसे के दिन ही बहन ममता कंवर (50) और अवधेश पारीक (37) की मौत हो चुकी है, जबकि 6 घायलों में से 3 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

इस पूरे मामले में मंगलवार को दिनभर परकोटे में गहमा-गहमी की स्थिति रही और आक्रोशित लोगों ने सुबह से ही नाहरगढ़ पुलिस थाने के बाहर घेराव किया और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मामले को लेकर भाजपा व कांग्रेस में सियासत भी चलती रही। एक तरफ नेता एक दूसरे पर बयानबाजी करते रहे तो दूसरी तरफ आक्रोशित लोगों की ओर से गणगौरी बाजार व आस पास के परकोटे के बाजारों को बंद करा दिया गया है। बाजार बंद करवाने के दौरान छोटी चौपड़ पर गुस्साए लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। मुआवजे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और मृतकों के परिजनों के बीच कई दौर की वार्ता हुई। इसके बाद परिजनों व प्रशासन की सहमति बनते- बनते शाम 4 बज गई। मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा व संविदा पर नौकरी देने की राज्य सरकार की घोषणा को भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य और एडिशनल डीसीपी नॉर्थ बजरंग सिंह शेखावत ने की। वहीं घायलों को मां योजना के तहत डेढ़ लाख रुपए सहायता राशि दी जाएगी। इस घोषणा के बाद मंगलवार शाम करीब 5 बजे धरना समाप्त कर दिया गया। धरने में भाजपा के स्थानीय पार्षद और कई नेता मौजूद रहे।

जयपुर। नाहरगढ़ थाने के बाहर धरना प्रदर्शन के दौरान मौजूद हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य। फोटो: राजेश कुमावत/ पंकज शर्मा

'स्कूटी टच' से शुरू हुआ झगड़ा, 'मौत की रफ्तार' पर खत्म

हिट एंड रन केस में रफ्तार से कार दौड़ा रहा चालक जयपुर जिला कांग्रेस में उपाध्यक्ष पर था। हालांकि घटना के बाद कार चालक उस्मान खान को जिला कांग्रेस कमेटी ने पद से निष्कासित कर दिया है। जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी ने आदेश जारी कर उस्मान खान को तत्काल प्रभाव से जिला कार्यकारिणी से निष्कासित कर दिया। वहीं एडिशनल डीसीपी नॉर्थ बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी उस्मान से पूछताछ में सामने आया कि उसने अपने दोस्त के साथ टोंक रोड व उसके आसपास के इलाकों में कार्ड बांटे। इसके बाद घर जाने से पहले उसने देशी शराब खरीदी और गाड़ी में ही बैठकर पी। इसके बाद वह कार से घर लौट रहा था तो रास्ते में एक स्कूटी सवार से उसकी गाड़ी टच हो गई। इसके बाद उस्मान और स्कूटी चालक में कहासुनी और गाली गलौज हो गई। इसके बाद उस्मान वहां से निकला तो स्कूटी सवार ने फिर से उसकी कार के आगे स्कूटी लगाकर रोक लिया। जैसे ही स्कूटी सवार ने उतरकर उसके पास आकर फिर कहासुनी की तो उस्मान ने नशे की हालत में अपना आपा खो दिया और स्कूटी को टक्कर मारकर तंग गलियों में कार को दौड़ाता हुआ चला गया।

दिनभर परकोटा रहा बंद

हर किसी की आंखें भर आईं

ममता कंवर (50) और वीरेंद्र सिंह (45) दोनों भाई-बहन घर से बाजार के लिए निकले तो किसी ने नहीं सोचा होगा कि फिर घर नहीं लौट पाएंगे। दोनों के शव एक साथ घर ले जाने के लिए मोर्चरी से निकाले तो वहां मौजूद हर किसी की आंखें भर आई। दोनों के शव अलग-अलग वाहनों से मंगलवार शाम को अंतिम संस्कार के लिए ले जाए गए। मृतक वीरेंद्र सिंह के 12 वर्ष का एक बेटा और 10 वर्ष की एक बेटी है। वहीं मृतक ममता कंवर के एक बेटा है जो सीए है। हादसे में अवधेश पारीक (37) की मौके पर ही मौत हो गई थी। अवधेश तीन भाइयों में सबसे छोटा था, एक बहन भी है। अभी तक अवधेश की शादी नहीं हुई थी।

राजनीति गरमाई, BJP-कांग्रेस आमने-सामने

घटना को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गए हैं। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि आरोपी कांग्रेस विधायक अमीन कागजी का खास आदमी था। वहीं कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने स्पष्ट किया कि उस्मान खान उनसे व्यक्तिगत रूप से जुड़ा नहीं था। कांग्रेस ने उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया है और जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

" घटना के विरोध में मंगलवार सुबह से ही धरना प्रदर्शन हुआ। मृतक परिजनों के लिए मुआवजा राशि और सरकारी नौकरी की मांग की गई। मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लोगों से समझाइश की और पूरा मामला कंट्रोल में रहा। कही कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। आरोपी से पूछताछ की गई। घटना की जांच जारी है।

बजरंग सिंह शेखावत, एडिशनल डीसीपी नॉर्थ

भजनलाल सरकार का प्रयास- इसी वित्तीय वर्ष में शुरू हो मेट्रो के दूसरे चरण का काम

अब जयपुर को मिलेगी मेट्रो की सुपर स्पीड

- एक स्टेशन भूमिगत होगा, शेष सभी ऊपरी सतह पर
- सीतापुरा से सीकर रोड तक होगा सफर आसान

अभिषेक श्रीवास्तव | बेधड़क

जयपुर। जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण को लेकर भजनलाल शर्मा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार का प्रयास है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का काम इसी वित्तीय वर्ष में शुरू कर दिया जाए। इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर तेजी से काम कर रही है। जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण की अपडेटेड ड्राफ्ट डीपीआर भारतीय रेलवे की संस्था RITES की ओर से राज्य सरकार को सौंप दी गई है। अब जल्द ही इसका प्रस्तुतीकरण मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में किया जाएगा। दूसरे चरण में करीब 40 किलोमीटर लंबा रूट प्रस्तावित है, जो सीतापुरा से शुरू होकर विद्याधर नगर के आगे टोड़ी मोड़ तक जाएगा। इस रूट पर कुल 35 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें से सिर्फ एक स्टेशन सांगानेर पुलिस थाने के पास भूमिगत होगा। शेष सभी स्टेशन एलिवेटेड यानी ऊपर की सतह पर होंगे। दूसरे चरण की अनुमानित लागत करीब 10,500 करोड़ रुपए आंकी गई है।भजनलाल सरकार ने सत्ता में आते ही जयपुर मेट्रो को प्राथमिकता दी। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने विधानसभा में इसकी घोषणा की थी और बजट में इसके लिए 12 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया गया। वर्ष 2020 में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई पुरानी डीपीआर को अब ट्रैफिक स्टडी और इलाके की मौजूदा संरचनाओं को ध्यान में रखते हुए अपडेट किया गया है।

मेट्रो फेज-2 से शहर की बदलेगी तस्वीर

40 किमी रूट पर
दौड़ेगी नई लाइफलाइन
35 मेट्रो स्टेशन
बनाए जाएंगे
10,500 करोड़
खर्च होने का अनुमान

पिंजरापोल गोशाला से सांगानेर पुलिस स्टेशन तक चलेगी भूमिगत मेट्रो

मेट्रो रूट सीतापुरा से पिंजरापोल गोशाला तक एलिवेटेड होगा। इसके बाद गोशाला से सांगानेर पुलिस स्टेशन तक भूमिगत चलेगा। फिर से यह रूट एलिवेटेड हो जाएगा और बी-2 बायपास, दुर्गापुरा, अशोक मार्ग, कलेक्ट्रेट, अंबाबाड़ी होते हुए सीकर रोड पर हरमाड़ा से टोड़ी मोड़ तक जाएगा। बीआरटीएस के मौजूदा ढांचे के बीच एलिवेटेड मेट्रो कोरिडोर बनाने की योजना है।

फाइनल DPR में लग सकते हैं 5 महीने

इस प्रोजेक्ट की ड्राफ्ट डीपीआर का परीक्षण अब केंद्र सरकार के शहरी आवासन और कार्य मंत्रालय, अन्य संबद्ध मंत्रालयों और राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। परीक्षण और सुझावों के आधार पर फाइनल डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके लिए केंद्र और राज्य के अधिकारियों की बैठकों का दौर शुरू हो चुका है। सूत्रों के अनुसार फाइनल डीपीआर को तैयार करने में चार से पांच महीने का समय लग सकता है। इसके बाद निर्माण कार्य के लिए निविदा जारी होगी।जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण को क्रियान्वित करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की संयुक्त भागीदारी से राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का गठन कर लिया गया है। इसके चेयरमैन केंद्रीय मंत्रालय की संयुक्त सचिव रूपा मिश्रा और प्रबंध संचालक प्रमुख सचिव यूडीएच वैभव गालरिया को नियुक्त किया है।

NHAI से मिली परिवहन विभाग को सहमति

अब परिवहन विभाग भी करेगा वाहनों के ऑनलाइन चालान

शिवेंद्र सिंह परमार | बेधड़क

यातायात पुलिस की तर्ज पर अब परिवहन विभाग भी वाहनों के ऑनलाइन चालान बनाएगा। परिवहन विभाग ने इसके लिए कार्य योजना तैयार कर ली है। विभाग में पहली बार शुरू हो रहे इस प्रयोग के लिए विभाग को एनएचएआई से सहमति मिल गई है। एनएचएआई प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्गों से गुजरने वाले सभी वाहनों का आंकड़ा प्रतिदिन परिवहन विभाग से साझा करेगा। इसके बाद विभाग की ओर से तैयार किए गए सिस्टम से नियमों के विपरीत चलने वाले वाहनों के ऑनलाइन चालान बनाए जाएंगे।

यह चालान संबंधित आरटीओ और डीटीओ कार्यालयों से जारी होंगे। ऑनलाइन चालान की व्यवस्था शुरू होने से जहां परिवहन विभाग में पारदर्शिता आएगी, वहीं विभाग के उड़नदस्तों से जुड़ी शिकायतें भी कम होंगी। वर्तमान समय में प्रदेश के विभिन्न इलाकों से अवैध वसूली की शिकायतें आती रहती हैं। परिवहन विभाग का अनुमान है कि ऑनलाइन चालान की व्यवस्था शुरू होने के बाद विभाग के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। फिलहाल बिहार और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में परिवहन विभाग ऑनलाइन चालान जारी कर रहा है।

पहले चरण में 6 तरह के मामलों में होंगे चालान

प्रदेश में ऑनलाइन चालान की व्यवस्था परिवहन विभाग दो चरणों में शुरू करने जा रहा है। पहले चरण में विभाग फिटनेस, परमिट, टैक्स, बीमा, प्रदूषण और पंजीयन से जुड़े मामलों में ऑनलाइन चालान बनाएगा। वहीं विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी कारणों के चलते पहले चरण में ओवरलोड वाहनों के ऑनलाइन चालान नहीं बन सकेंगे, लेकिन शीघ्र ही टोल से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों के चालान भी बनाए जाएंगे। दूसरे चरण में परिवहन विभाग प्रदेश में स्टेट हाइवे से नियम विरुद्ध गुजरने वाले वाहनों के भी ऑनलाइन चालान करेगा। इसके लिए विभाग स्तर पर तैयारी की जा रही है। एनएचएआई से निकलने वाले वाहनों के ऑनलाइन चालान की योजना सफल होने के बाद, विभाग स्टेट हाइवे के टोल टैक्स से भी आंकड़े लेकर ऑनलाइन चालान बनाएगा।

परिवहन विभाग के राजस्व में होगा इजाफा

काफी प्रयासों के बाद भी विभाग को उम्मीद के अनुसार राजस्व नहीं मिल पा रहा है। लेकिन नियमों के विपरीत चल रहे वाहनों के ऑनलाइन चालान की प्रक्रिया शुरू होने से परिवहन विभाग को मिलने वाला राजस्व बढ़ सकेगा। संसाधनों की भारी कमी और लीकेज के कारण विभाग तय राजस्व अर्जित नहीं कर पाता है। लेकिन अब विभाग के अधिकारियों को उम्मीद है कि ऑनलाइन चालान प्रक्रिया शुरू होने के बाद विभाग का राजस्व निश्चित रूप से बढ़ेगा।

700 से अधिक निर्माण और 9 कॉलोनियों पर असर

अतिक्रमणों पर आज से चलेगा जेडीए का पंजा

बेधड़क | जयपुर

वाहन चालकों को जाम से राहत देने के लिए जेडीए बुधवार तड़के से झारखंड मोड़, क्वींस रोड से लेकर खातीपुरा तिराहा होते हुए 200 फीट बाईपास तक पीला पंजा चलाकर, सड़क सीमा में आ रहे भूखंडों, दुकानों सहित अन्य अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई करेगा।

हाई कोर्ट के आदेशानुसार चिह्नित सड़क की चौड़ाई को जोनल डवलपमेंट प्लान के अनुसार किए जाने के लिए जेडीए अवैध अतिक्रमणों को हटाएगा। गौरतलब है कि न्यू सांगानेर रोड के बाद यह जेडीए की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है, जिसमें करीब 700 मकान, दुकानें और अन्य निर्माण सीमांकन की जद में हैं। हाई कोर्ट के आदेश पर हो रही इस कार्रवाई में जेडीए करीब ढाई किमी लंबे हिस्से में आने वाले 274 अवैध निर्माणों को हटाएगा। तोड़फोड़ अभियान के लिए जेडीए ने 31 जेसीबी, 8 पोकलेन मशीन, 5 लोकंडा मशीन, 16 ट्रैक्टर ट्रॉली, 127 मजदूर और 3 जनरेटर की व्यवस्था की है। ये सभी संसाधन चित्रकूट स्टेडियम में एकत्र कर लिए गए हैं। ताकि कार्रवाई में किसी तरह की देरी न हो। जेडीए की मंशा है कि एक ही दिन में कार्रवाई पूरी कर ली जाए।

प्रभावितों को मिले सुनवाई का मौका: गोपाल शर्मा

सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने खातीपुरा प्रकरण को लेकर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से भेंट कर मामले की जानकारी दी। विधायक शर्मा ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री, यूडीएच मंत्री, मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव यूडीएच के समक्ष भी जनता का पक्ष रखा। उन्होंने जेडीसी से आग्रह किया कि प्रभावित लोगों को अपना पक्ष रखने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए। शर्मा ने कहा कि अधिकारी हठधर्मिता छोड़ें और जनसुनवाई के माध्यम से समाधान को प्राथमिकता दें।

झारखंड मोड़ से होगी कार्रवाई की शुरुआत

जेडीए, हाई कोर्ट के आदेशों की पालना करते हुए जोनल डवलपमेंट प्लान के अंतर्गत 200 फीट बाईपास से खातीपुरा, झारखंड मोड़ तक सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए अतिक्रमण ध्वस्त करेगा। जोन-7 में स्थित इस सड़क की चौड़ाई 160 फीट की जाएगी। बुधवार से झारखंड मोड़ से कार्रवाई की शुरुआत होगी और यह कार्रवाई 11 अप्रैल तक चलेगी। इसमें झारखंड मोड़, क्वींस रोड से खातीपुरा तिराहा, सिरसी रोड बाईपास तक लगभग ढाई किमी लंबी सड़क पर कार्य किया जाएगा। वर्तमान में यह सड़क झारखंड मोड़ से खातीपुरा तिराहा तक 60 फीट चौड़ी है, जबकि खातीपुरा तिराहा से बाईपास तक यह 60–80 फीट चौड़ाई में बनी हुई है। डिमार्केशन के लिए जेडीए ने पांच टीमें गठित की हैं।

जरूरी खबर

प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा

चित्तौड़गढ़। जिले के महिला एवं बाल चिकित्सालय में चिकित्सकों की लापरवाही के चलते एक प्रसूता की मौत हो गई। डिलीवरी के करीब 4.30 घंटे बाद तक डॉक्टरों ने प्रसूता को नहीं संभाला। इस पर गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना पर विधायक चंद्रभान सिंह आक्या और भूमि विकास बैंक अध्यक्ष बद्रीलाल जाट मौके पर पहुंचे और परिजनों की मांग का समर्थन किया। थाना प्रभारी निरंजन प्रताप सिंह ने कहा कि 19 वर्षीय पांचली कोमल को प्रसव पीड़ा होने पर चिकित्सालय में भर्ती कराया था। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

गुर्जर आरक्षण मुद्दे को जल्द हल करे सरकार

सुजानगढ़। पथिक सेना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महावीर पोसवाल ने मंगलवार को कहा कि कुछ नेताओं को मैनेज कर भाजपा जॉइन करवा देने से गुर्जर आरक्षण का मुद्दा दफन नहीं होगा, सरकार को गुर्जर समाज का हक देना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने एमबीसी युवाओं की ग्यारह सूत्रीय मांगों को नजर अंदाज किया है। पोसवाल ने बताया कि सरकार ने कई वादे किए थे, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार समय रहते सिकंदरा शहीद स्थल पर ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले 20 दिन से अनशन पर बैठे राज्य के एमबीसी युवाओं की मांग का निस्तारण करे। शीघ्र समाधान नहीं निकाला, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

जंगल में युवक-युवती की लाश मिलने से सनसनी

धौलपुर। नादनपुर थाना क्षेत्र के तिलउआ गांव के पास जंगल में मंगलवार सुबह युवक और युवती की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच कर दोनों शवों की शिनाख्त कराई। मृतक युवक की उम्र करीब 22 वर्ष और युवती की उम्र लगभग 19 वर्ष है। पुलिस की शुरुआती जांच में मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा हुआ सामने आ रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दोनों ने यह कदम किन हालात में उठाया।

वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड कंजरवेशन प्रोजेक्ट को मिल रही सफलता

रामदेवरा ब्रीडिंग सेंटर में गोडावण के पहले चूजे का जन्म, 51 हुई संख्या

- 6 अप्रैल को केंद्र में पहले चूजे ने लिया जन्म
- गोडावण को बचाने के प्रयास ला रहे रंग

द ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की कुल संख्या

178	गोडावण जैसलमेर में
128	गोडावण फील्ड में
51	गोडावण दोनों ब्रीडिंग सेंटर में
22	गोडावण सम स्थित ब्रीडिंग सेंटर में
29	गोडावण रामदेवरा ब्रीडिंग सेंटर में

बेधड़क | जैसलमेर

जैसलमेर के रामदेवरा स्थित गोडावण ब्रीडिंग सेंटर से खुशखबरी आई है। 6 अप्रैल को इस केंद्र में पहली बार गोडावण का चूजा जन्मा, जिससे वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। चूजे का जन्म रामदेवरा ब्रीडिंग सेंटर में हुआ है। राजस्थान के राज्य पक्षी 'द ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' यानी गोडावण को बचाने के प्रयासों में यह एक बड़ी सफलता है। बता दें कि देशभर में लुप्त हो रहे गोडावण के संरक्षण के लिए 2018 में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (देहरादून) के सहयोग से प्रोजेक्ट जीआईबी की शुरुआत की गई थी। इसके तहत जैसलमेर के सम और रामदेवरा में 2022 में ब्रीडिंग सेंटर खोले गए थे। अब रामदेवरा व सम स्थित ब्रीडिंग सेंटर में गोडावण की संख्या बढ़कर 51 हो चुकी है। गौरतलब है कि जैसलमेर का डेजर्ट नेशनल पार्क गोडावण का सबसे संरक्षित इलाका माना जाता है। इसलिए यहां सेंटर्स स्थापित किए गए हैं।

2022 में स्थापना के बाद पहली उपलब्धि

राष्ट्रीय मरू उद्यान के डीएफओ बृजमोहन गुप्ता के अनुसार, 11 मार्च को नर गोडावण सलखा और मादा गोडावण जेरी की मेटिंग के बाद 15 मार्च को मादा ने अंडा दिया था और 6 अप्रैल को उसमें से चूजे ने जन्म लिया। यह 2022 में स्थापित रामदेवरा ब्रिडिंग सेंटर में जन्मा पहला चूजा है, जो इस केंद्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सम ब्रीडिंग सेंटर में बढ़ रही संख्या

सम स्थित ब्रीडिंग सेंटर में मार्च और अप्रैल में 5 चूजे जन्म ले चुके हैं। 2 अप्रैल को यहां एक साथ तीन चूजों का जन्म हुआ था। वहीं 9 और 28 मार्च को दो चूजों का जन्म हुआ था। इनका जन्म प्रोजेक्ट जीआईबी (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड कंजरवेशन प्रोजेक्ट) के तहत हुआ है, जो गोडावण के संरक्षण और बढ़ोतरी के लिए चलाया जा रहा है।

बाड़मेर @ 46.4 डिग्री, आंधी और बारिश की संभावना

तपने लगा राजस्थान 46 डिग्री के पार तापमान

- प्रदेश में तापमान सामान्य से 10 डिग्री अधिक
- लू के थपेड़ों ने घरों में रहने को किया मजबूर

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में गर्मी के तीखे तेवर देख अब लोग दोपहर में घरों में रहने को मजबूर हो गए हैं। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो सामान्य से 10 डिग्री तक अधिक है। खासतौर पर बाड़मेर और जैसलमेर में स्थिति काफी खराब है, जहां दिन में सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। बाड़मेर में मंगलवार को तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक था। इसके बाद जैसलमेर में भी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। वहीं, जयपुर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.7 डिग्री अधिक था। प्रसिद्ध हिल स्टेशन माउंट आबू में भी मंगलवार को तापमान सामान्य से अधिक 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गंगानगर, चूरू, फलोदी, चितोड़गढ़ और बीकानेर में भी तापमान 44 से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में इस दौरान गर्मी का असर अगले कुछ दिनों तक बना रहेगा। लेकिन, इसके बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश में प्रभावी हो सकता है, जिसके कारण मौसम में बदलाव आने की संभावना है। मौसम विभाग ने बुधवार तक गर्मी का असर जारी रहने की चेतावनी दी है।

प्रदेशभर में गर्मी का कहर

प्रदेश के सभी जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। इस दौरान हीट वेव के चलते बाड़मेर में रेड अलर्ट जारी किया गया। इसके अलावा, 6 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट और 12 जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इन अलर्टों के तहत लोगों को गर्मी से बचने के उपायों की सलाह दी जा रही है।

रात का तापमान भी सामान्य से अधिक

रात का तापमान भी सामान्य से अधिक रहा। बाड़मेर में तापमान 31.5 डिग्री, बीकानेर में 28.8 डिग्री, फलोदी में 28.4 डिग्री, जैसलमेर में 27.5 डिग्री और जयपुर में 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आंधी और बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, 10 अप्रैल से राहत मिलने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी भागों में आंधी, मेघ गर्जन और हल्की बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है। इस दौरान जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, फलोदी सहित कई जिलों में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

प्रमुख शहरों का तापमान

शहर	तापमान
जैसलमेर	45°
चितोड़गढ़	44.5°
फलोदी	44.2°
बीकानेर	44.4°
चूरू	44.2°
गंगानगर	44.2°
जयपुर	42°

रात का तापमान

शहर	तापमान
बाड़मेर	31°
बीकानेर	28.8°
फलोदी	28.4°
जैसलमेर	27.5°
जयपुर	26°

30.95 लाख रुपए किए मंजूर

समरावता हिंसा पीड़ितों को मुआवजा देगी सरकार

बेधड़क | टोंक

देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान समरावता में हुई हिंसा के पीड़ितों को राज्य सरकार ने मुआवजा देने की घोषणा की है। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने की घटना के बाद भड़की हिंसा में हुए नुकसान के लिए सरकार ने कुल 30.95 लाख रुपए मंजूर किए हैं। गृह विभाग ने इस घटना को सांप्रदायिक दंगों और सामाजिक उपद्रवों की श्रेणी में रखा है। हिंसा में घायलों को 1-1 लाख रुपए, जले हुए चौपहिया वाहनों के लिए 1-1 लाख रुपए, दुपहिया वाहनों के लिए 30-30 हजार रुपए, मकानों को हुए नुकसान के लिए 50-50 हजार रुपए और घरेलू सामान के नुकसान के लिए 25 हजार रुपए तक का मुआवजा देने का निर्णय लिया गया है। गृह विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि बीमाकृत वाहनों के मामलों में बीमा कंपनी से मिलने वाली राशि को मुआवजे की राशि से समायोजित किया जाएगा। सरकार हिंसा में एक सैमसंग एलईडी टीवी टूटने के लिए 25 हजार रुपए का मुआवजा देगी, साथ ही रामकरण मीणा की जलकर मरी बकरी के लिए 25 हजार और आठ बीघा जमीन में जलकर नष्ट हुए 10 ट्रॉली चारे के लिए भी 25 हजार रुपए देगी।

7 घायलों को 1-1 लाख, मकानों के 50-50 हजार रुपए

हिंसा में घायल हुए सात लोगों को 1-1 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। घायलों में संजय मीणा, राजंती, बलराम, फूलचंद, कजोड़, दिलबाग और मीठालाल शामिल हैं। इसके साथ ही मकानों को हुए नुकसान के लिए जगदीश मीणा, फूलचंद मीणा और जलाल मीणा को 50-50 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

श्रीजी के प्रगट्य और जगद्गुरु वल्लभाचार्यजी के महत्व पर चर्चा

बेधड़क, नाथद्वारा। *सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई और संदीप जे. मेहता सहित उच्च न्यायालय और जिला न्यायालयों के न्यायाधीशों ने मंगलवार को सफेदी महल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। नाथद्वारा की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान यहां न्यायाधीशों ने श्रीजी के प्रगट्य और जगद्गुरु वल्लभाचार्यजी के महत्व पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान भारत में स्थित 84 बैठकों के आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व पर भी चर्चा की गई। इसमें विशेष रूप से पंढरपुर के पवित्र स्थल, जिसने पुष्टिमार्ग के प्रारंभिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वरकारी परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने में किए गए प्रयासों पर भी विचार किया गया। नाथद्वारा के लिए यह सम्मान और गौरव का क्षण था। इस दौरान सभी न्यायाधीशों ने श्रीजी बावा का आशीर्वाद प्राप्त किया।*

200 से अधिक युवाओं को मिले अवसर

बेधड़क | उदयपुर

हिंदुस्तान जिंक की ओर से संचालित जिंक कौशल उदयपुर ने हाल ही में जॉब फेयर का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के 30 नियोक्ताओं ने भाग लिया। इस जॉब फेयर में बीपीओ, पर्यटन एवं आतिथ्य, माइक्रोफाइनेंस और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने प्रतिभाग किया। एचडीएफसी बैंक, सज्जन पैलेस, अन्नपूर्णा फाइनेंस, रिलायंस रिटेल, पैरेलल होटल्स और आर्कगेट जैसी कंपनियां इसमें शामिल थीं। जॉब फेयर में उदयपुर, दरीबा और जावर क्षेत्र के 200 से अधिक प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लिया और उन्हें विभिन्न कॅरिअर अवसर मिले। इस दौरान एक विशेष सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें हिंदुस्तान जिंक की हेल्थ एंड फिटनेस ब्रांड एंबेसडर सूफिया सूफी ने भाग लिया। गौरतलब है कि हाल ही में जिंक कौशल केंद्र की ओर से आयोजित रोजगार मेलों से उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और राजसमंद के 500 से अधिक ग्रामीण युवाओं को रोजगार में मदद मिली।

ब्रह्माकुमारी दादी रतनमोहिनी का निधन

दादी जीवन के अंतिम दिनों तक जनसेवा में रहीं सक्रिय

बेधड़क | सिरोही

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख और वरिष्ठ आध्यात्मिक साधिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का सोमवार रात अहमदाबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे 101 वर्ष की थीं। उनका पार्थिव शरीर माउंट आबू स्थित शांतिवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। अंतिम संस्कार 10 अप्रैल को सुबह 10 बजे किया जाएगा। चार साल पहले दादी हृदयमोहिनी के देहावसान के बाद वह मुख्य प्रशासिका बनीं थीं। दादी जीवन के अंतिम दिनों तक सेवा में सक्रिय रहीं। वे प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में 3:30 बजे उठकर रात 10 बजे तक ईश्वरीय सेवाओं में जुटी रहती थीं और राजयोग मेडिटेशन उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा था। उन्होंने भारतीय संस्कृति और मूल्यों के प्रचार के लिए 70,000 किलोमीटर से अधिक की पदयात्राएं कीं। 1985 में उन्होंने 13 पदयात्राएं कीं, और 2006 में 31,000 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। उनकी युवा पदयात्रा ने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया।

देश के 67 स्थानों पर जागृति अभियान

दादी रतनमोहिनी ने अगस्त 1989 में देश के 67 स्थानों पर एक साथ अखिल भारतीय नैतिक जागृति अभियान चलाया था। इसमें सैकड़ों स्कूल-कॉलेजों और सामाजिक सेवा संस्थानों में प्रदर्शनियां, वर्कशॉप और सेमिनार आयोजित किए गए। इनमें कई राज्यों के राज्यपाल व मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया था।

87 वर्ष की यात्रा की साक्षी

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान में आने वाली बहनों के प्रशिक्षण और उनकी नियुक्ति का कार्यभार संभाला। उन्होंने 46,000 से अधिक बहनों को प्रशिक्षण दिया और 87 वर्षों तक संस्थान की यात्रा की साक्षी रहीं। वे पिछले 40 वर्षों से युवा प्रभाग की अध्यक्ष थीं।

दादी को डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा

20 फरवरी 2014 को गुलबर्गा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. ईटी पुट्टैया और रजिस्ट्रार प्रो. चंद्रकांत यतनूर ने राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा। यह उपाधि उन्हें युवाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण में उनके योगदान के लिए दी गई थी।

- 1954: जापान में विश्व शांति सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज का प्रतिनिधित्व किया।
- 1956-1969: मुंबई में ईश्वरीय ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया, भारतभर में सेमिनार आयोजित किए।
- 1972-1974: यूके में सेवा केंद्रों की स्थापना में भूमिका निभाई। 1994 में कैरेबियन, यूएसए, कनाडा में भारतीय संस्कृति का संदेश दिया।

13 वर्ष की उम्र में संस्थान से जुड़ीं

25 मार्च 1925 को सिंध हैदराबाद के एक साधारण परिवार में दैवी स्वरूपा बेटी ने जन्म लिया। माता-पिता ने नाम रखा लक्ष्मी। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कल यही बेटी अध्यात्म और नारी शक्ति का जगमग सितारा बनकर सारे जग को रोशन करेगी। बचपन से अध्यात्म के प्रति लगन और परमात्मा को पाने की चाह में मात्र 13 वर्ष की उम्र में लक्ष्मी ने विश्व शांति और नारी सशक्तीकरण की मुहिम में खुद को झोंक दिया।

पुनर्विकास कार्यों से राजगढ़ रेलवे स्टेशन का बदला स्वरूप

बेधड़क | जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के राजगढ़ रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से चल रहा है, जिसे अमृत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत राजगढ़ सहित जयपुर मंडल के 18 स्टेशनों का पुनर्विकास 1325 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार, नए स्टेशन भवन में आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया जाएगा, जिसमें बड़ा वेटिंग हॉल, टिकटिंग क्षेत्र, शुद्ध पेयजल, दिव्यांगजनों के लिए शौचालय, पानी के बूथ और प्लेटफार्म शेल्टर तैयार हो चुके हैं। इसके अलावा, स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग स्पेस और आगमन-प्रस्थान व्यवस्था को भी बेहतर किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज भी तैयार हो चुका है, जिसे आधुनिक तकनीक से महज 4 घंटे 25 मिनट के ट्रैफिक ब्लॉक में बनाया गया।

हनुमान जी का अभिषेक करते हरि मोहन बांगड़, प्रशांत बांगड़, विराज बांगड़ और विदुष बांगड़।

आरएसएस प्रचारक निम्बाराम, गोविंद देव गिरी महाराज से आशीर्वाद लेते हुए।

गोविंद देव जी गिरी महाराज, हरि मोहन बांगड़ को आशीर्वाद देते हुए। साथ में हैं प्रशांत बांगड़, राजकमल बांगड़ और रानू बांगड़।

श्री सीमेंट परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

बालाजी का अभिषेक, गर्भ गृह में पूजा-अर्चना शुरू

रमेश शर्मा/मुकेश शर्मा . बेधड़क. ब्यावर। श्री सीमेंट परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव का दूसरा दिन श्रद्धा से सराबोर रहा। मंगलवार को दक्षिण भारत से आए आचार्यों ने विधिवत रूप से हनुमानजी का विशेष अभिषेक कराया, जिसमें पंचामृत सहित विभिन्न पारंपरिक पदार्थों का उपयोग किया गया। मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना की शुरुआत के साथ पूरा परिसर भक्ति की ऊर्जा से आलोकित हो उठा। बुधवार को बांगड़ परिवार यज्ञ में भाग लेकर धार्मिक अनुष्ठान की पूर्णाहुति करेगा। इस विशेष अवसर पर श्री सीमेंट के चेयरमैन एमरिटस बीजी बांगड़, चेयरमैन हरी मोहन बांगड़ और वाइस चेयरमैन प्रशांत बांगड़ ने सपरिवार अभिषेक में भाग लिया। साथ ही कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज अखौरी, प्रेसिडेंट संजय मेहता, जॉइंट प्रेसिडेंट अरविंद खींचा समेत श्री परिवार के कई अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। मंदिर के गर्भगृह में ब्यावर यूनिट हेड विकास सिंघल ने सपत्नीक पूजा आरंभ की। पुष्कर से पधारे आचार्य लक्ष्मीनारायण शास्त्री और सहयोगियों ने वैदिक विधि से पूजा सम्पन्न कराई।

गोविंद देव जी गिरी महाराज।

संकटमोचन हनुमान जी।

कथा का आनंद लेते कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत, संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा एवं उनकी पत्नी।

बीकानेर प्लांट यूनिट के प्रमुख विकास सिंघल अपनी पत्नी के साथ पूजा-अर्चना करते हुए।

हनुमान कथा श्रवण करते हरि मोहन बांगड़, अविनाश गहलोत, यूनुस खान और बीजी बांगड़। -फोटो: राकेश झाकल

महाराज ने वाणी की मर्यादा और वचन के महत्व को समझाया

कथा वाचन के दौरान गोविंद गिरी महाराज ने भक्तों को सुग्रीव और श्रीराम-हनुमान संवाद प्रसंग सुनाते हुए वाणी की मर्यादा और वचन के महत्व पर गहरा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बोलने की शैली ही मन को जीतने की कुंजी है। महाराज ने राम राम राजाराम... भजन सुनाकर वातावरण को भावविभोर कर दिया। कथा स्थल पर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, पूर्व मंत्री यूनुस खान, ब्यावर कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत, एसपी श्याम सिंह, संभागीय आयुक्त महेश शर्मा, मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत, मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक जीतेंद्र मीणा और वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी विजय चौधरी सहित अनेक वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

कथा श्रवण करते प्रशांत बांगड़ और अविनाश गहलोत।

प्रशांत बांगड़ ने नीरज अखौरी और विनोद चतुर्वेदी के साथ सुंदरकांड की विशेष प्रति का विमोचन किया।

नीरज अखौरी पत्नी के साथ सुंदरकांड की प्रतियां वितरित करते हुए। साथ में हैं आरपन दानी।

कथा श्रवण करते श्रद्धालु।

ब्यावर कलेक्टर डॉ. महेन्द्र सिंह खड़गावत एवं आईजी अजमेर रेंज ओम प्रकाश का स्वागत करते प्रशांत बांगड़।

श्री परिवार के सदस्यों को सुंदरकांड पुस्तक वितरित करने की तैयारी करते नीरज अखौरी और अरविंद खींचा।

कथा श्रवण करते संजय मेहता, अरविंद खींचा एवं अन्य अधिकारी।

ब्यावर एसपी श्याम सिंह का स्वागत करते प्रशांत बांगड़ और संजय मेहता।

साहित्य दिवस: साहित्य और संस्कृति एक-दूसरे के परक-पूरक

कोई झूठ को सच का आईना तो दिखाए

वेदव्यास
वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

> साहित्य का यह प्रवाह मनुष्य के बिना कुछ भी नहीं है। यह संविधानों का संविधान है और जिजीविषा का महाघमासान है। इसे कभी कालिदास गाते हैं तो कभी कबीरदास सुनाते हैं। इसे दर्शन में ढूंढा जाता है तो कभी अरविंद और विवेकानंद के इतिहास में पढ़ा जाता है। सूरदास और तुलसीदास भी साहित्य में मनुष्य के समय की नील जल सोई परछाइयों की तरह हैं। साहित्य वाणी को अर्थ देता है, ज्ञान को सामर्थ्य प्रदान करता है और अंधकार में प्रकाश का परिचालक बन जाता है।

साहित्य को आज भी 'सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्' के पर्याय रूप में ही देखा जाता है। समय का सत्य, समाज का शिव और प्रकृति का सुंदर ही इसकी विचारधारा है। हजारों वर्षों से शब्दों की यह महाभारत युद्ध और शांति के बीच जारी है। विकास के नए सोपान इसे ऊर्जा देते हैं और मनुष्य के नए संधान इसे प्रासंगिक बनाते हैं। यह साहित्य मनुष्य के द्वारा ही मनुष्य के लिए समाज और समय के बीच खड़ा रहता है। राजा और प्रजा के बीच, प्रकृति और मनुष्य के साथ, सूर्य और धूप के मध्य तथा जीवन और जगत के आमने-सामने यह साहित्य ही होता है। मनुष्य क्या सोचता है, मनुष्य क्यों सोचता है और मनुष्य किसके लिए सोचता है, जैसी सभी जिज्ञासाएं इस साहित्य में ही निवास करती हैं। नाद ब्रह्म की तरह यह शब्द ब्रह्म मनुष्य के चेतन-अवचेतन का पर्याय है। वेद और पुराण की ऋचाएं, वाल्मीकि और महर्षि वेदव्यास की वाणी इसी का अनहद नाद है। इसका उद्गम मनुष्य का हृदय है और इसकी यात्रा समय का ओर-छोर है, तो प्रतिफलन स्मृतियों का भाष्य है।

साहित्य का यह प्रवाह मनुष्य के बिना कुछ भी नहीं है। यह संविधानों का संविधान है और जिजीविषा का महाघमासान है। इसे कभी कालिदास गाते हैं तो कभी कबीरदास सुनाते हैं। इसे दर्शन में ढूंढा जाता है तो कभी अरविंद और विवेकानंद के इतिहास में पढ़ा जाता है। सूरदास और तुलसीदास भी साहित्य में मनुष्य के समय की नील जल सोई परछाइयों की तरह हैं। साहित्य वाणी को अर्थ देता है, ज्ञान को सामर्थ्य प्रदान करता है और अंधकार में प्रकाश का परिचालक बन जाता है।

यह साहित्य केवल शब्दों की जोड़नी भी नहीं है और न ही इसे समय का प्रलाप कहा जा सकता है। यह तो मनुष्य के मन और विचार का, विवेक और विस्तार का, आधार और व्यवहार का ऐसा नीर-क्षीर विवेचन है, जिसे दादी कहती है और पोते सुनते हैं। साहित्य की अवधारणा मनुष्य-मन की स्वायत्तता में जीवित है तथा इसे आचार्यों और प्राचार्यों की व्याख्याओं से बांधा नहीं जा सकता। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम साहित्य की सीमाएं तय नहीं कर सकते और मीडिया भी इसके प्रभाव को धूमिल नहीं बना सकता। परिवर्तन के सभी प्रभाव और दबाव साहित्य में भी ज्वार-भाटा की तरह बोलते हैं तथा साहित्य इसीलिए मनुष्य और समय के बीच चेतन और अवचेतन तक मुखरित रहता है।

यह साहित्य क्या है और क्यों है तथा इसकी सार्थकता कौन तय करता है? इस तरह के प्रश्नों से कुछ बाहर निकलकर देखें, तो हमें यह भी मालूम होगा कि साहित्य का उद्देश्य और अवधारणाएं भी निरंतर बदलती रहती हैं। साहित्य कोई जड़ पदार्थ नहीं है तथा साहित्य में भी अंतिम सत्य का प्रादुर्भाव मनुष्य के मन की दिशाओं में लगातार बदलता रहता है। यह साहित्य मनुष्य के जीवन-संसार का ही एक विस्तार है। छंद, सवैया, गीत, नवगीत, कविता, नई कविता, कहानी, उपन्यास, यात्रा-संस्मरण, आत्मकथा, निबंध, रिपोर्ताज, नाटक-विधाएं इस साहित्य के सृजनघाट हैं, जहां विचार और कल्पना विवेक और यथार्थ के कपड़े उतार कर नहाते हैं।

शेक्सपीयर, मैक्सिम गोर्की, रवीन्द्रनाथ टैगोर, पाब्लो नेरूदा, नाजिम हिकमत, प्रेमचंद और फैज अहमद फैज जैसे सैकड़ों शब्द पुरुष इस साहित्य के सहयात्री हैं। परंपरा, सभ्यता और संस्कृति की सभी त्रिवेणियां इस संगम में समाहित हैं। यह साहित्य इतना निर्मम है और इतना निर्मल भी है कि कहीं यह महाभारत बन जाता है तो कहीं यह रामायण की चौपाइयों में बिखर जाता है। कहीं यह उपमा बनकर याद आता है तो कहीं यह अतिशयोक्ति के भेष में मिलता है। यह रस सिद्धांत भी है तो यह विचार का व्यावहारिक रूपांतरण भी है।

इस साहित्य को लेकर समय और इतिहास की चिंताएं भी हमने देखी हैं, तो सुकरात, अरस्तु, गैलीलियो और आइंस्टीन के सत्य से साक्षात्कार भी हमें विरासत में मिले हैं। मनुष्य के मनोविज्ञान और पराज्ञान को जानने और उसका समानीकरण तय करने का एकमात्र पैमाना साहित्य ही है। यह साहित्य दुनिया की हजारों भाषाओं और बोलियों में प्रवास करता है, और यह साहित्य ही शब्द के रथ पर बैठाकर स्मृति के गर्भ में दुबक जाता है। यह जरूरी नहीं है कि लिखा जाए वही साहित्य है और यह भी संपूर्ण नहीं है कि बोला जाए वही साहित्य है, बल्कि साहित्य तो काल की तरह ऐसा अजर-अमर तत्व है जो चिंतन और मीमांसा के बीच और अद्वैत के सान्निध्य में, भ्रम और यथार्थ के पास-पड़ोस में तथा इच्छा और आकांक्षाओं के सहवर्ती के रूप में हमें रोज जागते हुए भी और सोते समय सपनों में भी मिलता रहता है।

साहित्य इसीलिए समय और समाज की चौखट है तथा ज्ञान और विज्ञान ही इसकी खिड़कियां हैं। इसके गर्भगृह में कोई राम और रहीम नहीं रहता, वरन् एकमात्र मनुष्य रहता है। यह मनुष्य न तो पूरब-पश्चिम में बंटा हुआ है और ना ही इसे योग और भोग की तरह विभाजित किया जा सकता है। आदिम कबीलाई जीवन से लेकर अब मंगल ग्रह की यात्रा तक के इसके सभी सरोकार केवल साहित्य, संगीत और कला के मेहंदी मांडणों में ही सुने जा सकते हैं। यह साहित्य ही बताता है कि सत्य का किस तरह लोकगमन हुआ और शब्द ने किस तरह बहेलिया बनकर क्रौंच पक्षी का वध किया। हम अक्सर कभी होमर, दांते, मार्क्स और एंगेल्स में साहित्य को ढूंढते हैं तो कभी शब्दों की चिताओं पर लग रहे मेलों में खोजते हैं जो शब्द की सत्यवेदी पर कुर्बान हो गए।

राजपाट छोड़कर जो भर्तृहरि बन गए, घर-संसार छोड़कर सिद्धार्थ हो गए या फिर महावीर की तरह दिगंबर में साकार हो गए। ईसा की तरह सूली पर लटक गए, महात्मा गांधी की तरह गोली खाकर 'हे राम!' में समा गए, मार्टिन लूथर किंग की तरह काले-गोरों का गीत बन गए अथवा मीराबाई की तरह जहर का प्याला पीकर भी प्रेम की दीवानगी पर चलते रहे। इस सबके पीछे से कहीं मनुष्य की स्वतंत्रता, सह-अस्तित्व और विकास की बहस ही सुनाई पड़ रही थी क्योंकि सत्य तो वही है जो देखा, सुना और समझा नहीं गया है। साहित्य वही है जो अब तक खोजा नहीं गया है। मनुष्य वही है जो अब तक रचा नहीं गया है। शब्द वही है जो अब तक वर्णमाला से बाहर है तथा वाणी और स्मृति वही है जिसे हम आज तक किसी सुर-ताल में बांध नहीं पाए हैं।

साहित्य की यह सरस्वती सभी देशों में बहती है। कोई भी पूंजी और सामाजिक व्यवस्था इसके टुकड़े नहीं कर सकती। कोई भी शासन और तंत्र इसका गला नहीं घोट सकता। यह एक ऐसी आवाज है जो जितनी अधिक बंद की जाती है, उतनी ही अधिक गूंजती है। लोक से लोकोत्तर बन जाती है और जंगल में मंगल की तरह, छवियों में आयाम की तरह, चेतना में उमर खैयाम की तरह, खेतों में बसंती परिधान की तरह, सत्ता और व्यवस्था के रू-ब-रू सम्मान की तरह, संवेदनाओं के उफान की तरह, सैनिक के प्रयाण की तरह, ऋषिपुत्रों के अभियान की तरह, सरोकार के धनुष-बाण की तरह, नीति और सार के आख्यान की तरह, प्रकृति और मनुष्य के बीच सुगंध की तरह रम जाती है।

साहित्य इसीलिए भक्ति, शक्ति और प्रेम की त्रिवेणी है, योग से भोग तक का सफर है, तो मनुष्य और समाज की बदलती सभ्यताओं और संस्कृतियों का गवाक्ष है। यह साहित्य ही है जहां चेतना को काम, क्रोध, मद, लोभ और माया के दैत्य नहीं सताते और यह शब्द पुत्र ही है जो कालातीत और कालजयी रहता है।

हमारे देश में साहित्य और संस्कृति को एक-दूसरे का परक-पूरक माना गया है। दर्शन और चिंतन परंपरा का अनवरत यज्ञ कहा गया है, तो चंद्रमा की सोलह कलाओं की तरह मनुष्य-मन की लीलाओं का वृंदावन भी समझा गया है। वीरगाथा काल से लेकर आधुनिक काल तक जो कुछ लिखा-सुना गया, केवल वही साहित्य नहीं है, अपितु शब्द और साहित्य तो मनुष्य की प्रागैतिहासिक संरचना को समझने का भी पहला सूत्र है।

यह साहित्य संत, सती और सूरमाओं का ही खेल मैदान नहीं है, यह साहित्य किसी महाजनी सभ्यता का प्रस्थान भी नहीं है, यह साहित्य किसी आदि विद्रोही का जयगान भी नहीं है और यह साहित्य नौसिखिए शब्द-जीवियों का मचान भी नहीं है। यह चिंतन और मनन का एक ऐसा गंभीर लोकाचार है, जिसकी इतिश्री एक मनुष्य के लिए नहीं होकर सदैव लोकमंगल में ही समाहित, संयोजित और विकसित होती है।

साहित्य में जहां मनुष्य और उसके समय का दिग्दर्शन होता है, वहां साहित्य में मन, वचन और कर्म की परछाइयों का भी दूध का दूध और पानी का पानी किया जाता है। समय के प्रभाव से साहित्य के स्वर भी बदलते हैं तथा सरोकार भी नया रूप और अवधारणाएं ग्रहण करते हैं, लेकिन साहित्य को समझना, देखना और परिभाषित करना कोई बच्चों का खेल नहीं है। इस साहित्य में सामाजिक न्याय तो है, पर आरक्षण का प्रावधान नहीं है। यहां स्वायत्तता तो है लेकिन सामाजिक सरोकार भी छोड़े नहीं जा सकते। यह एक साहित्य ही है जिसमें मनुष्य विरोधी और जनकल्याण के खिलाफ चलने या चलाने की पूरी रोक है।

हम साहित्य की इसी चौखट से मनुष्य, समाज और समय की सभी छोटी-बड़ी दस्तक को सुनेंगे। कुछ उनकी तो कुछ अपनी कहेंगे। कभी उनकी करवट को तो कभी अपनी करवट से बात करेंगे। हमारी चिंता बाजार की नहीं होगी, अपितु एक शाश्वत मानवीय कल्याण और सृजन की होगी। सभी वाद-विवाद जारी रहेंगे और प्रतियोगिताएं भी चलेंगी, लेकिन समय का सत्य ही हमारा निर्णायक मंडल रहेगा। अगली बार से यह 'उल्लेखनीय' देश-देशांतर में ही नहीं, अपितु वन-प्रांतर में भी जाएगा। गद्य-पद्य के सभी उदाहरण लाएगा तथा साहित्य के समस्त सृजनात्मक सरोकारों की जाजम भी बिछाएगा। तेरी-मेरी इस कहानी को पढ़ते रहिए, क्योंकि सृजन अभी और भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

बेवड़े जीजा संघ

डॉ. प्रदीप शशांक
व्यंग्यकार

देसी/विदेशी शराब दुकान के पीछे खाली पड़े मैदान में बेवड़ों का हुजूम इकट्ठा था, तथा वे नारे लगा रहे थे। भारत के बेवड़े एक हो... एक हो। पीना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, हम अपना अधिकार छीनने नहीं देंगे। एक बेवड़े ने नारा उछाला, पियो और पीने दो। हर जोर-जुल्म की टक्कर में पीना हमारा नारा है। दरअसल, मैदान में बेवड़ों का यह जमावड़ा 'अखिल भारतीय बेवड़े जीजा संघ' के आह्वान पर इकट्ठा हुआ था। बेवड़े जीजा संघ के अध्यक्ष अज्जू मिस्त्री ने हाथ के इशारे से सभी को शांत होने को कहा। फिर अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, भाइयो, आप सब हमारे अल्प नोटिस पर इकट्ठे हुए, इसके लिए आप लोगों का शुक्रिया अदा करते हुए मैं अपनी बात आप सभी के समक्ष रख रहा हूं। जैसा कि आप सभी जानते हैं, सरकार ने हमारी मां, बहनों एवं पत्नियों को 'लाड़ली' मानते हुए प्रति माह आर्थिक सहायता दी हुई है। जब हमारी पत्नी सरकार की लाड़ली हो सकती है, तो हम लाड़ले जीजा क्यों नहीं हो सकते? प्रत्येक चुनाव के समय जो भी नेता हमें ज्यादा शराब की बोतलें बांटता है, हम उसका एहसान उसे वोट देकर तुरंत चुका देते हैं। लेकिन सरकार बनने के बाद वे लाभकारी योजनाएं सिर्फ महिलाओं के लिए बनाते हैं। हम इस इंतजार में रहते हैं कि शायद कोई राज्य हम बेवड़े जीजाओं की ओर भी ध्यान दे, लेकिन हम इंतजार ही करते रह जाते हैं। कर्नाटक के एक विधायक ने इस संबंध में पहल करते हुए हमें प्रति सप्ताह दो बोतल फ्री शराब देने की बात कही, लेकिन वहां की सरकार ने सिरे से नकार दिया। हम यह अन्याय नहीं सहेंगे... भीड़ ने आवाज लगाई, 'नहीं सहेंगे... नहीं सहेंगे।' हमारी पीड़ा को समझने के लिए हम कर्नाटक के विधायक का सार्वजनिक अभिनंदन करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। अध्यक्ष ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, हमारी पत्नियों को हर माह जो राशि मिलती है, वह हम लेकर (छुड़ाकर) उसी से दारू पीकर टैक्स के रूप में सरकार को ही तो वापस कर देते हैं, ताकि वह अगले महीने पुनः लाड़लियों के खाते में यह रुपए डाल सके। सरकार के वास्तविक लाड़ले तो हम हैं, जो बिना नागा रोज ही पत्नी के रुपयों के साथ ही अपनी मेहनत से कमाए रुपयों की दारू पीकर सरकार के खजाने को भरते रहते हैं। इतिहास गवाह है कि हमने आज तक कभी हराम की दारू नहीं पी है। हराम की दारू पीना तो बड़े-बड़े तथाकथित भ्रष्ट अधिकारियों/नेताओं का काम है। अब जब सरकार ने खुद ही गरीब जनता को मुफ्त खाने-पीने की आदत डाल दी है, तो फिर सप्ताह में दो बोतल शराब यदि हम बेवड़े जीजा लोगों को दे दोगे, तो सरकार का क्या जाएगा? और हां, सरकार को यह मालूम है कि जो मुफ्त के रुपए, अनाज आदि गरीबों के नाम पर दे रहे हैं, उसका फायदा ज्यादातर बड़े लोग उठा रहे हैं। जिनके खुद के घर में फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, मोटरसाइकिल आदि सामान हैं, वे भी धड़ल्ले से इन मुफ्त की योजनाओं का फायदा उठा रहे हैं, जबकि वास्तविक हकदार अभी भी वंचित हैं। सरकार यदि कड़ाई से इनकी जांच करे, तो आधे से ज्यादा लोगों के नाम इन योजनाओं से कट सकते हैं और उस बचे हुए रुपयों से हमारे लिए दो बोतल दारू का इंतजाम आसानी से हो सकता है। लेकिन सरकार हमारी ओर ध्यान ही नहीं देती। फिर उन्होंने भीड़ से पूछा, क्या यह हमारे प्रति सरकार का अन्याय नहीं है भीड़ ने पुनः एक स्वर में कहा, अन्याय है... अन्याय है। हम कितनी ही शराब पीकर बहकें, नालों-नालियों में गिरते-पड़ते घर पहुंचकर अपनी पत्नी को गाली दें, मारें-पीटें, लेकिन हमने कभी अपनी पत्नी को नहीं छोड़ा। न उसने हमें छोड़ा। न तो हमने उसे मारकर फ्रिज या सूटकेस में छुपाया और ना उसने कभी हमें जान से मारने के लिए नीले ड्रम का उपयोग किया। ये तो आधुनिक लोगों का शगल है। लोग हमें बेवड़ा कहते हैं, लेकिन कौन कमबख्त जीने के लिए पीता है? हम तो इसलिए पीते हैं, ताकि हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहे। हम मजबूर गरीब हैं, लेकिन हम हर समस्या का डटकर सामना करते हैं। बड़े लोगों जैसे नहीं कि जरा सी बात पर आत्महत्या कर लें। देश के आर्थिक विकास में हमारा भी यह गिलहरी-सा योगदान है। है कि नहीं...? बेवड़े जीजा लोगों ने झूमते हुए एक स्वर में कहा, है... है... एक बेवड़े ने, जो यह भाषण सुनकर बोर हो गया था, झूमते हुए कहा कि अबे अज्जू, ज्यादा भाषणबाजी न करो, काम की बात करो। साले, जिसके हाथ में माइक आ जाता है, वह अपने आपको नेता समझने लगता है। फिर बड़ी-बड़ी हांकने लगता है। उसकी बात सुनकर कुछ और बेवड़ों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ता देख, अज्जू मिस्त्री ने माइक अपने असिस्टेंट लल्लू बेलदार के हाथ थमा दिया। लल्लू हड़बड़ा गया, वह कुछ कहता, उसके पहले ही दो बेवड़ों में आपस में गाली-गलौज शुरू हो गई और हाथापाई की नौबत आ गई। स्थिति बिगड़ती देख अज्जू और लल्लू सहित अधिकांश बेवड़ों ने खिसकने में ही भलाई समझी। इस तरह एक महत्वपूर्ण सभा बिना किसी निर्णय के स्थगित हो गई।

नॉलेज कॉर्नर: भारत में हर साल हजारों लोग ऐसी घटनाओं के शिकार होते हैं

हिट एंड रन: लापरवाही का खौफनाक चेहरा

सड़कें सिर्फ यात्रा का माध्यम नहीं, जीवन की धड़कन हैं। लेकिन जब इन्हीं सड़कों पर हिट एंड रन यानी टक्कर मारो और भाग जाओ जैसी घटनाएं होती हैं, तो यह न केवल कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि हमारे समाज की संवेदनहीनता भी उजागर करता है। हिट एंड रन वह स्थिति होती है जब कोई वाहन चालक किसी व्यक्ति, वाहन या संपत्ति को टक्कर मारकर बिना रुके घटनास्थल से फरार हो जाता है। भारत में हर साल हजारों लोग ऐसी घटनाओं के शिकार होते हैं, जिनमें से बहुत से लोग समय पर सहायता न मिलने के कारण अपनी जान गंवा बैठते हैं। इस अपराध के पीछे कई कारण हैं।

कानूनी पहलू

भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत हिट एंड रन मामलों में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। यदि कोई चालक किसी की मौत के बाद मदद किए बिना मौके से भागता है तो उसे 10 साल तक की सजा और जुर्माना हो सकता है। वहीं, घायल को छोड़कर भागने पर 7 साल की जेल और जुर्माना लगाया जा सकता है।

सलमान खान मामला (2002-2015)

सितंबर 2002 में, बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान पर आरोप था कि उन्होंने मुंबई में फुटपाथ पर सो रहे लोगों पर अपनी कार चढ़ा दी, जिससे एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई और चार घायल हुए। मई 2015 में, उन्हें निचली अदालत ने पांच साल की सजा सुनाई। हालांकि, दिसंबर 2015 में बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सबूतों की कमी के आधार पर उन्हें बरी कर दिया।

सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश (जनवरी 2024)

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि हिट एंड रन मामलों में पीड़ितों को दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि की पुनर्समीक्षा की जाए, ताकि समय के साथ धन की घटती मूल्य को ध्यान में रखा जा सके।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय का निर्णय (मार्च 2025)

चंडीगढ़ में एक 16 वर्षीय युवक, जो 1999 में हिट एंड रन का शिकार हुआ था, को 25 वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद उच्च न्यायालय ने ₹3.25 करोड़ की क्षतिपूर्ति प्रदान की। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय के पूर्व निर्णयों के आधार पर लिया गया, जिसमें पीड़ित की आयु और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखा गया।

समाज की भूमिका

हिट एंड रन केवल कानून की नहीं, समाज की भी परीक्षा है। क्या हम घायल को देखकर उसकी मदद करते हैं या तमाशबीन बन जाते हैं? क्या हम नंबर प्लेट नोट कर पुलिस को सूचना देते हैं या खामोश रह जाते हैं?

कंटेंट: रघुवीर जांगिड़

X

अमित शाह, केन्द्रीय गृहमंत्री
@AmitShah
जम्मू-कश्मीर की शांति और सुरक्षा में जम्मू-कश्मीर पुलिस सराहनीय भूमिका निभा रही है। आज जम्मू राजभवन में J&K पुलिस के वीर शहीदों के परिजनों से संवाद कर उन्हें अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपे। J&K को सुरक्षित, शांत और स्थिर बनाने में अपना बलिदान देने वाले अमर जवानों को नमन करता हूँ। वीर सुरक्षाकर्मियों के त्याग और बलिदान का देश सदा ऋणी रहेगा।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
आज घग्घर नदी एवं घग्घर डाइवर्जन चैनल (जी.डी.सी.) का विस्तृत निरीक्षण किया गया तथा वर्तमान परिस्थितियों का सम्पूर्ण जायजा लिया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को जल प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, नदी के किनारों का संरक्षण करने एवं आगामी मानसून से पूर्व आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। हमारी सरकार द्वारा राजस्थान में जल संसाधन विकास, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार एवं किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कश्मीर दौरा, कहा- पीएम मोदी के एकजुट व शक्तिशाली भारत के दृष्टिकोण को मिला समर्थन

तीन और पार्टियों ने खुद को हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से किया अलग: शाह

■ अब तक 11 संगठनों ने छोड़ा साथ

एजेंसी | श्रीनगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू-कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट ने अलगाववादी समूह हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह कदम संविधान में लोगों के भरोसे को दर्शाता है। जम्मू-कश्मीर में अब तक इस प्रकार के 11 संगठन अलगाववाद से किनारा कर चुके हैं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब शाह तीन दिवसीय यात्रा पर जम्मू-कश्मीर में हैं।

शाह ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एकजुट एवं शक्तिशाली भारत को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण आज और भी सुदृढ़ हुआ है तथा अब तक 11 संगठनों ने अलगाववाद को त्यागकर इस दृष्टिकोण के प्रति अटूट समर्थन दर्शाया है। पिछले महीने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के कई घटकों ने अलगाववादी समूह से अलग होने की घोषणा की थी। हुर्रियत से अलग होने की घोषणा करने वाले समूहों में शाहिद सलीम के नेतृत्व वाले जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट, वकील शफी रेशी के नेतृत्व वाले जम्मू-कश्मीर डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट और मोहम्मद शरीफ सरताज के नेतृत्व वाले जम्मू-कश्मीर फ्रीडम मूवमेंट जैसे समूह शामिल हैं। जब इन समूहों ने 25 मार्च को यह घोषणा की थी, तब शाह ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की एकीकरण नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगाववाद को बाहर कर दिया है। इसके दो दिन बाद 'हुर्रियत कॉन्फ्रेंस' के दो अन्य घटकों गुलाम नबी सोफी के नेतृत्व वाले जम्मू कश्मीर तहरीकी इस्तेकलाल और गुलाम नबी वार के नेतृत्व वाले जम्मू कश्मीर तहरीक-ए-इस्तिकामत ने अलगाववाद त्यागने की घोषणा की थी।

जम्मू कश्मीर में विकास कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में मौजूद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह(मध्य), जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा(दाएं) व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला (बाएं) व अधिकारी।

विकास प्रोजेक्ट्स, सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

गृह मंत्री शाह ने दो अलग-अलग बैठकों में जम्मू-कश्मीर में जारी विकास परियोजनाओं और वर्तमान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। शाह की अध्यक्षता में राजभवन में आयोजित विकास समीक्षा बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अलावा केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं जम्मू कश्मीर सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। उसके बाद एक अन्य बैठक में प्रदेश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई। हालांकि मुख्यमंत्री अब्दुल्ला इस बैठक का हिस्सा नहीं थे। इस बैठक में पुलिस और सेना एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया था। शाह ने जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने में सुरक्षा एजेंसियों के काम की सराहना की और उनसे सतर्कता बढ़ाने को कहा। शाह की यात्रा के मद्देनजर पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और बड़ी संख्या में सशस्त्र कर्मियों को तैनात किया गया है।

NIA की गोल्डी बराड़ के कई ठिकानों पर तलाशी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मंगलवार को हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी ली। कनाडा में रहने वाले बराड़ और अमेरिका निवासी गैंगस्टर रणदीप मलिक से जुड़े संदिग्धों और आरोपियों के परिसरों पर तलाशी दिसंबर 2024 में गुरुग्राम के सेक्टर-29 में वेयरहाउस क्लब और ह्यूमन क्लब पर हुए ग्रेनेड हमलों के मामले में एजेंसी की जांच के सिलसिले में ली गई। एनआईए ने बयान में कहा कि दोनों राज्यों के विभिन्न जिलों में आठ स्थानों पर मंगलवार सुबह ली गई तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई।

विवादों में घिरे कर्नाटक के गृहमंत्री ने खेद जताया

बेंगलुरु। बेंगलुरु में हाल ही में हुई छेड़छाड़ की घटना पर टिप्पणी के कारण विवादों में घिरे कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि उनके बयान को ठीक से नहीं समझा गया और उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इससे किसी को, खासकर महिलाओं को तकलीफ पहुंची है तो वह खेद व्यक्त करते हैं। परमेश्वर ने कहा कि वह महिलाओं को सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करने के महत्व में विश्वास करते हैं और गृह मंत्री के रूप में वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस संबंध में उन्होंने कई कदम उठाए हैं। गृह मंत्री ने कहा कि पुलिस आयुक्तों की दैनिक ब्रीफिंग या पूरे राज्य से ब्रीफिंग के दौरान वे महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित ऐसे मामलों पर नजर रख रहे हैं।

कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक, अधिवेशन आज

कांग्रेस में बड़े पैमाने पर होगा फेरबदल यह साल पार्टी के पुनर्गठन को समर्पित

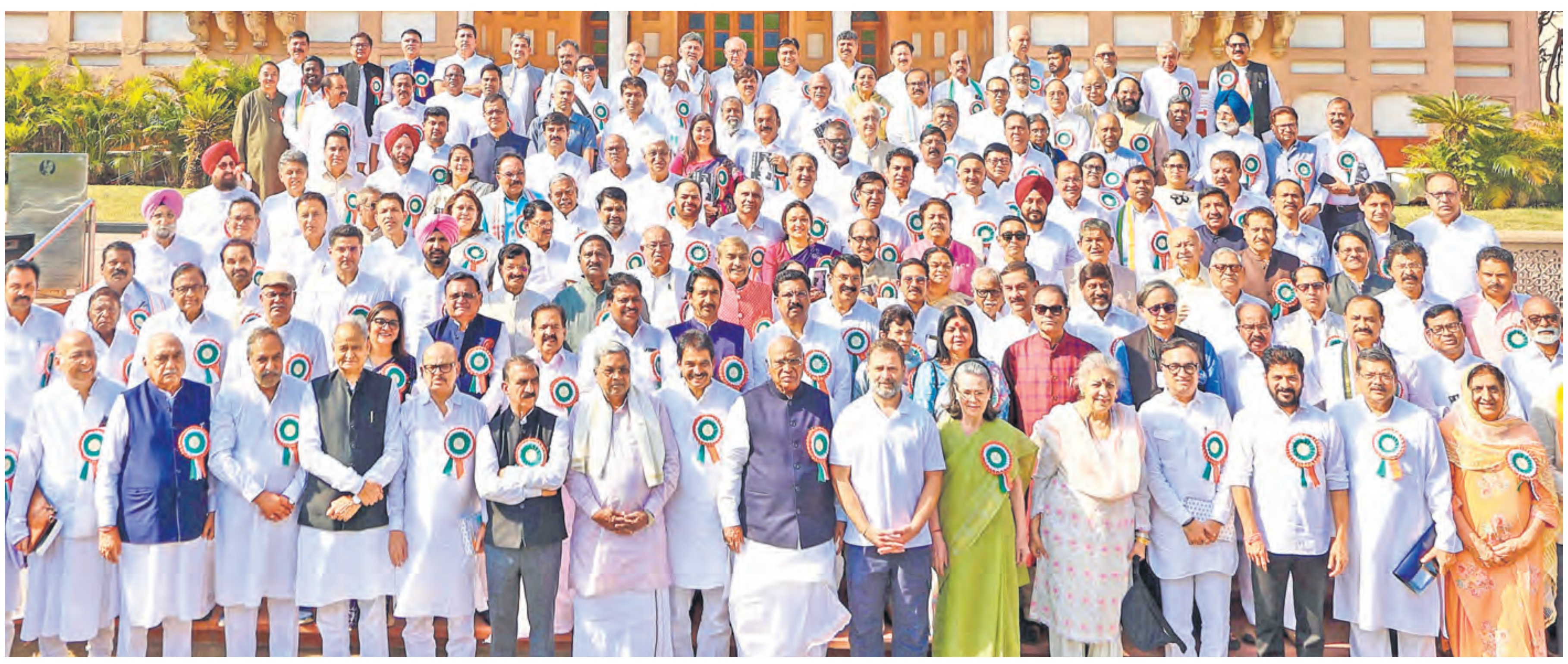

अहमदाबाद। विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी व राहुल गांधी तथा राजस्थान से कांग्रेस के नेता अशोक गहलोत, सचिन पायलट, हरीश चौधरी, गोविंद सिंह डोटासरा, टीकाराम जूली व पार्टी के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत अन्य नेता।

क्या है खास

- 64 साल बाद हो रहा है गुजरात में कांग्रेस का अधिवेशन
- अधिवेशन का विषय "न्याय पथ : संकल्प, समर्पण, संघर्ष"

आज होगी राजनीतिक प्रस्ताव पर चर्चा

रमेश ने कहा कि बुधवार को दो और प्रस्तावों पर चर्चा होगी, जिनमें एक राष्ट्रीय मुद्दों पर और दूसरा गुजरात के मुद्दों व राजनीतिक स्थिति से जुड़ा होगा। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना में सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनीतिक न्याय की बात कही गई है, जिसे लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य सदस्यों ने भी चर्चा की। सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनीतिक न्याय को लेकर कांग्रेस पार्टी का क्या एजेंडा है, इस बारे में आपको बुधवार के प्रस्ताव में जानकारी मिलेगी।

एजेंसी | अहमदाबाद

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को कहा कि पार्टी जल्द ही बड़े पैमाने पर संगठनात्मक फेरबदल करने जा रही है। पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक के बाद वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि इस बैठक में संगठन को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि हमने इस वर्ष को कांग्रेस संगठन के पूर्ण पुनर्गठन के लिए समर्पित किया है। हम बड़े पैमाने पर संगठनात्मक फेरबदल करने जा रहे हैं और इसके लिए दिशानिर्देश तय करेंगे। उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) को सशक्त बनाने से जुड़े सवाल पर कहा कि इस बारे में पार्टी के भीतर चर्चा हुई है और निकट भविष्य में इससे जुड़े कदमों पर चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, विस्तारित कार्यसमिति बैठक में 158 सदस्य मौजूद थे। सरदार वल्लभभाई पटेल को लेकर एक विशेष प्रस्ताव पर चर्चा हुई और वो पारित हुआ। उन्होंने कहा कि जब हम सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहे हैं तो सरदार पटेल के स्मारक में विस्तारित कार्य समिति की बैठक को आयोजित करना हमारा कर्तव्य था।

खरगे का प्रहार, कहा- RSS की विचारधारा के खिलाफ थे पटेल

सांप्रदायिक विभाजन के जरिए बुनियादी मुद्दों से ध्यान बंटाने का हो रहा प्रयास

एजेंसी | अहमदाबाद

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि पिछले कई सालों से कई राष्ट्रीय नायकों को लेकर एक सोचा समझा षड्यंत्र चलाया जा रहा है। उन्होंने यहां पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में यह भी कहा कि सरदार पटेल की विचारधारा आरएसएस के विचारों के विपरीत थी और यह हास्यास्पद है कि आज इस संगठन के लोग सरदार पटेल की विरासत पर दावा करते हैं। खरगे ने यह दावा भी किया कि आज सांप्रदायिक विभाजन के जरिए देश के बुनियादी मसलों से ध्यान भटकाया जा रहा है। उन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए यह जरूरी है। कार्यसमिति की बैठक का आयोजन यहां 'सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय स्मारक' पर किया गया।

कांग्रेस के खिलाफ बनाया जा रहा है वातावरण

खरगे ने कहा कि 140 सालों से देश में सेवा और संघर्ष के गौरवशाली इतिहास वाली कांग्रेस पार्टी के खिलाफ वातावरण बनाया जा रहा है। ये काम वे लोग कर रहे है जिनके पास अपनी उपलब्धियां दिखाने को कुछ भी नहीं है। आजादी की लड़ाई में अपना योगदान बताने को कुछ भी नहीं है। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा, वे सरदार पटेल और पंडित नेहरू के संबंधों को ऐसा दिखाने का षडयंत्र करते हैं, जैसे दोनों नायक एक दूसरे के खिलाफ थे। जबकि सच्चाई ये है कि वो एक सिक्के के दो पहलू थे। खरगे ने कहा कि यह साल महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी है। गांधी जी ने हमें अन्याय के खिलाफ सत्य और अहिंसा का हथियार दिया।

चुनावी तैयारियों समेत कई मुद्दों पर मंथन

अहमदाबाद। कांग्रेस के अधिवेशन से एक दिन पहले मंगलवार को पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई कार्य समिति ने भविष्य की रूपरेखा, जिला कांग्रेस कमेटियों को सशक्त बनाने समेत संगठन की मजबूती, जवाबदेही तय करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर मंथन किया। विस्तारित कार्य समिति की इस बैठक में अधिवेशन से संबंधित प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्य समिति की बैठक के बाद अब नौ अप्रैल को अधिवेशन होगा।

खरगे व सोनिया समेत कई वरिष्ठ नेता हुए शामिल

अहमदाबाद के 'सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय स्मारक' में आयोजित बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में कार्य समिति के अन्य सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राज्यों के कांग्रेस विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भी इस बैठक में शामिल हुए।

बेहोश हुए चिदंबरम, अस्पताल में भर्ती

अहमदाबाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम यहां पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों का कहना है कि संभवतः गर्मी के कारण ऐसा हुआ है। उनके पुत्र एवं लोकसभा सदस्य कार्ति चिदंबरम ने कहा कि उनके पिता की हालत ठीक है और चिकित्सक उनकी जांच कर रहे हैं। पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम (79) पार्टी की बैठक में शामिल होने के बाद साबरमती आश्रम में आयोजित भजन संध्या के लिए पहुंचे थे, जहां वह बेहोश होकर गिर पड़े।

विधेयक सुरक्षित रखने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त... राज्यपाल के कदम को मनमाना बताया

राज्यपाल को पुन: प्रस्तुत विधेयकों को सुप्रीम कोर्ट ने दी मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

द्रमुक नीत तमिलनाडु सरकार को मंगलवार को तब बड़ी जीत हासिल हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल आर एन रवि द्वारा रोके गए और राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखे गए 10 विधेयकों को मंजूरी दे दी। साथ ही राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपालों के लिए समयसीमा भी तय कर दी।

न्यायाधीश जे बी पारदीवाला और न्यायाधीश आर महादेवन की पीठ ने कहा, दस विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने का राज्यपाल का कदम गैरकानूनी और मनमाना है,

इसलिए इसे खारिज किया जाता है। इन 10 विधेयकों को उस तारीख से स्वीकृत माना जाएगा जिस दिन इन्हें राज्यपाल के समक्ष पुनः प्रस्तुत किया गया था। शीर्ष अदालत ने अपने तरह के पहले निर्देश में एक समयसीमा निर्धारित की, जिसके दायरे में राज्यपाल को राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों पर कार्रवाई करनी होगी।

न्यायालय ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा कार्य निर्वहन किए जाने को लेकर कोई स्पष्ट समयसीमा निर्धारित नहीं है। इसके बावजूद, अनुच्छेद 200 को इस तरह से नहीं पढ़ा जा सकता कि यह राज्यपाल को उन विधेयकों पर कार्रवाई नहीं करने की अनुमति देता है, जिन्हें उनके सम्मुख संस्तुति के लिए प्रस्तुत किया गया है।

विधेयक दूसरी बार आया है तो मंजूरी दें

पीठ ने कहा कि वह विधेयक को दूसरी बार राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के बाद उसे राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखे जाने के पक्ष में नहीं है। राज्यपाल को दूसरे दौर में उनके समक्ष प्रस्तुत किए गए विधेयकों को मंजूरी देनी चाहिए, अपवाद केवल तब रहेगा जब दूसरे चरण में भेजा गया विधेयक पहले से अलग हो।

पुन: पारित होने पर एक माह में दें मंजूरी

पीठ ने कहा कि किसी विधेयक पर मंजूरी रोककर उसे मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से राष्ट्रपति के लिए सुरक्षित रखने की अधिकतम अवधि एक माह होगी। यदि राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना सहमति को रोकने का फैसला किया है तो विधेयकों को तीन महीने के अंदर विधानसभा को लौटाया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा विधेयक को पुन: पारित किए जाने के बाद उसे पेश किए जाने पर राज्यपाल को एक महीने की अवधि में विधेयकों को मंजूरी देनी होगी। पीठ ने आगाह किया कि समयसीमा का पालन नहीं होने पर अदालतों में न्यायिक समीक्षा होगी।

राज्यपाल के पास नहीं होता विवेकाधिकार

अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं होता और उन्हें मंत्रिपरिषद की सहायता एवं सलाह पर अनिवार्य रूप से कार्रवाई करनी होती है। संविधान का अनुच्छेद 200 विधेयकों को स्वीकृति से संबंधित है। पीठ ने कहा कि राज्यपाल सहमति को रोक नहीं सकते और 'पूर्ण वीटो' या 'आंशिक वीटो' (पॉकेट वीटो) की अवधारणा नहीं अपना सकते। राज्यपाल एक ही रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होते हैं- विधेयकों को स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना और राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रखना।

फैसला ऐतिहासिक: सीएम स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया तथा इसे 'ऐतिहासिक' एवं सभी राज्य सरकारों की जीत बताया। वहीं, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु की कानूनी लड़ाई ने एक बार फिर पूरे देश को रोशनी दिखाई है। सीएम स्टालिन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम फैसले का स्वागत करते हैं और धन्यवाद देते हैं जिसमें राज्य विधानमंडलों के विधायी अधिकारों की पुष्टि की गई है।

मानहानि केस: एक साल की परिवीक्षा में रहेंगी मेधा पाटकर

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पांच महीने की जेल की सजा का सामना कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को मंगलवार को राहत देते हुए उन्हें उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि मामले में एक साल की परिवीक्षा दी। यह मामला उस समय का है, जब सक्सेना गुजरात में एक गैर सरकारी संगठन के प्रमुख थे। हालांकि, अदालत ने पाटकर पर एक लाख रुपए का जुर्माना जमा करने की पूर्व शर्त लगाई है। परिवीक्षा अपराधियों के साथ गैर-संस्थागत व्यवहार की एक विधि है। यह सजा का एक सशर्त निलंबन है, जिसमें दोषी को जेल भेजने के बजाय अच्छे आचरण का वादा करने पर रिहा कर दिया जाता है।

आईपीएल: सुपर किंग्स की लगातार चौथी हार

पंजाब की शानदार जीत में प्रियांश का तूफानी शतक, शशांक का अर्द्धशतक

एजेंसी | मुल्लांपुर

सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य के तूफानी शतक से पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 18 रन से हरा दिया। सुपरकिंग्स की यह लगातार चौथी हार है। पंजाब किंग्स के 220 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरकिंग्स की टीम सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (69 रन) के अर्धशतक और शिवम दुबे (42) के साथ तीसरे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी के बावजूद पांच विकेट पर 201 रन ही बना सकी। कॉनवे ने रचिन रविंद्र (36) के साथ भी पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। पंजाब किंग्स की ओर से लॉकी फर्ग्युसन सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 40 रन देकर दो विकेट चटकाए। पंजाब

प्रियांश आर्य

किंग्स ने इससे पहले खराब शुरुआत से उबरते हुए छह विकेट पर 219 रन बनाए। आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से चौथा सबसे तेज शतक जड़ने वाले प्रियांश ने 42 गेंद में नौ छक्कों और सात चौकों से 103 रन की पारी खेली। उन्होंने शशांक सिंह (नाबाद 52) के साथ उस समय छठे विकेट के लिए 34 गेंद में 71 रन की साझेदारी की जब टीम 83 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी। शशांक ने इसके बाद मार्को यानसेन (नाबाद 34) के साथ सातवें विकेट के लिए 65 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। शशांक ने 36 गेंद की अपनी पारी में तीन छक्के और दो चौके मारे जबकि यानसेन ने 19 गेंद का सामना करते हुए दो छक्के और दो चौके जड़े।

महंगे साबित हुए सुपर किंग्स के गेंदबाज

सुपरकिंग्स के गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। खलील अहमद ने 45 जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 48 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। मथीशा पथिराना ने चार ओवर में 52 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपरकिंग्स को कॉनवे और रविंद्र ने पावर प्ले में 59 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। रविंद्र ने इस बीच, यश ठाकुर पर लगातार तीन चौके भी जड़े। रविंद्र हालांकि सातवें ओवर में ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर प्रभसिमरन सिंह के हाथों स्टंप हो गए।

गायकवाड़ फिर रहे नाकाम: सुपरकिंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ एक बार फिर नाकाम रहे और एक रन बनाकर फर्ग्युसन की गेंद पर शशांक को कैच दे बैठे, जिससे टीम का स्कोर दो विकेट पर 62 रन हो गया।

रहाणे की कप्तानी पारी भी केकेआर की हार नहीं टाल सकी

पूरन व मार्श की धुआंधार बल्लेबाजी, लखनऊ की 4 रन से रोमांचक जीत

एजेंसी | कोलकाता

मिचेल मार्श के पांच मैचों में चौथे अर्धशतक और निकोलस पूरन के 36 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से लखनऊ सुपर जाइंट्स ने मंगलवार को आईपीएल के रोमांचक मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को चार रन से हरा दिया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 238 रन बनाए। जवाब में कप्तान अजिंक्य रहाणे के 35 गेंदों पर 61 रन की मदद से एक समय जीत की ओर बढ़ती दिख रही मेजबान टीम सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी । इस जीत के बाद लखनऊ छह अंक लेकर चौथे स्थान पर है जबकि केकेआर चार अंक लेकर छठे स्थान पर बनी हुई है।

इससे पहले करीब 40 डिग्री

निकोलस पूरन

सेल्सियस तापमान में लखनऊ के सलामी बल्लेबाजों एडेन माक्रम और मार्श ने 62 गेंद में 99 रन की सलामी साझेदारी की। माक्रम ने 28 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 47 रन बनाए। वहीं, मार्श ने 48 गेंद में 81 रन बनाए, जिसमें छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। पूरन ने 36 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों के साथ 87 रन की नाबाद पारी खेलकर लखनऊ को आईपीएल में उसके दूसरे सर्वोच्च स्कोर तक पहुंचाया। त्रिनिदाद के इस खब्बू बल्लेबाज ने हर्षित राणा को 17वें ओवर में दो गगनभेदी छक्के जड़े और इस पारी के दम पर आरेंज कैप की दौड़ में मार्श को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए। दस ओवर के बाद लखनऊ का स्कोर बिना किसी नुकसान के 95 रन था। इसके बाद अगले दस ओवर में 143 रन बने। माक्रम ने मोईन अली की जगह खेल रहे स्पेंसर जॉनसन के दूसरे ओवर में 18 रन निकाले। उन्होंने लगातार तीन गेंदों पर दो चौके और एक छक्का जड़ा। चार ओवर के बाद लखनऊ का स्कोर 38 रन था।

रहाणे के आउट होते ही टूटी केकेआर की लय

लक्ष्य का पीछे करते हुए केकेआर ने 13 ओवरों में तीन विकेट पर 162 रन बना लिए थे और रन रेट 12 . 46 चल रही थी। अब उसे 42 गेंद में 77 रन की जरूरत थी, लेकिन रहाणे का विकेट गिरने के बाद 15 रन के भीतर चार विकेट गिर गए और स्कोर छह विकेट पर 177 रन हो गया ।बिश्नोई ने अगले ओवर में रमनदीप सिंह को आउट किया।फॉर्म में चल रहे अंगकृष रघुवंशी और रिंकू सिंह से ऊपर भेजा गया था। रघुवंशी भी टिक नहीं सके और आवेश के यॉर्कर पर आउट हुए।

ट्रंप का चीन को झटका, 104% लगाया टैक्स

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर चली आ रही जंग के बीच अमेरिका ने मंगलवार को ड्रैगन पर बड़ा 'टैरिफ बम' फोड़ दिया है। अमेरिका ने कहा है कि वह अब चीनी उत्पादों पर 104 फीसदी टैरिफ लगाने जा रहा है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह फैसला 9 अप्रैल को आधी रात से लागू होगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को चेतावनी दी थी कि अगर चीन ने अमेरिका पर लगाए गए जवाबी शुल्क को वापस लेने का फैसला नहीं लिया अमेरिका चीनी उत्पादों पर 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा।

भारत ने इजराइल से मांगी कृषि बाजार तक पहुंच

नई दिल्ली। भारत ने इजराइल से 10 कृषि वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच प्रदान करने का अनुरोध किया है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनके इजराइली समकक्ष एवी डिचर के बीच मंगलवार को यहां हुई द्विपक्षीय बैठक में यह मुद्दा उठा। भारत जिन उत्पादों के लिए बाजार पहुंच चाहता है, उनमें प्याज, आलू, लहसुन, हरी मिर्च, हल्दी, अनानास, आम, अनार, अंगूर और भिंडी बीज शामिल हैं। बैठक के बाद डिचर ने मीडिया से कहा, रोजमर्रा के व्यापार के बारे में हम प्लांट प्रोटेक्शन इंडियन इजराइल सर्विसेज (पीपीआईएस) से बात करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम एक तरफ से दूसरी तरफ माल की निर्यात खेप बढ़ा सकें।

दुबई के शहजादे की भारत यात्रा: रक्षा संबंध होंगे मजबूत

भारत-यूएई मिलकर करेंगे सैन्य उपकरणों का विकास

बेधड़क | नई दिल्ली

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मंगलवार को सैन्य उपकरणों के सह-विकास सहित रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुबई के शहजादे शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के साथ वार्ता की, जिसमें रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुबई के शहजादे शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की भारत की विशेष यात्रा ने मजबूत द्विपक्षीय सहयोग का मार्ग प्रशस्त किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अल मकतूम ने रक्षा,

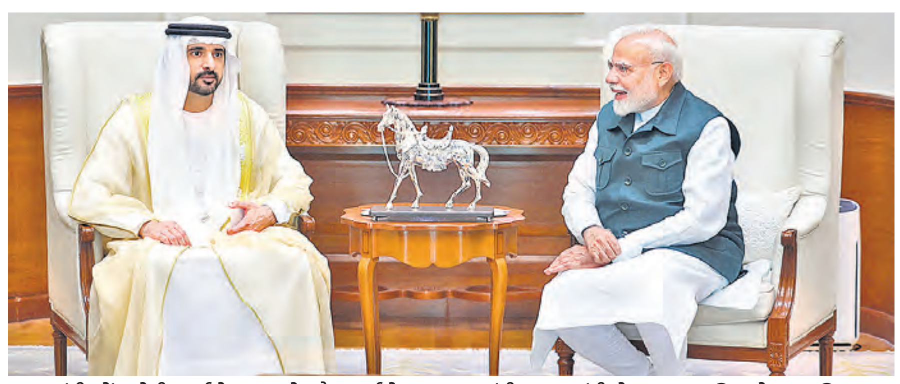
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुबई के शहजादे और यूएई के उप प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के साथ नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान चर्चा करते हुए।

व्यापार, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भारत-यूएई संबंधों को मजबूत करने में दुबई की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि दुबई ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी ने कहा, दुबई के शहजादे शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मिलकर खुशी हुई। दुबई ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह विशेष यात्रा हमारी गहरी मित्रता की पुष्टि करती है तथा भविष्य में और भी मजबूत सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती है। अल मकतूम मंगलवार सुबह दो-दिवसीय भारत यात्रा पर यहां पहुंचे।

राजनाथ सिंह के साथ अलग से बैठक

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी दुबई के शहजादे के साथ अलग से बैठक की और बाद में कहा कि भारत सह-उत्पादन और सह-विकास परियोजनाओं सहित रक्षा क्षेत्र में खाड़ी देश के साथ मिलकर काम करने का इच्छुक है। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई दोनों क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह और अल मकतूम इस बात पर सहमत हुए कि रक्षा उद्योगों के बीच करीबी सहयोग द्विपक्षीय रिश्तों का अभिन्न अंग होना चाहिए।

33 लाख करोड़ के मुद्रा लोन स्वीकृत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ रुपए से अधिक के गारंटी-मुक्त ऋण स्वीकृत किए गए हैं और इससे असंख्य लोगों को अपने उद्यमशीलता कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की 10वीं वर्षगांठ पर अपने आवास पर इसके चुनिंदा लाभार्थियों से बातचीत के दौरान मोदी ने कहा कि इससे देश के युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने में मदद मिली है। उन्हें नौकरी चाहने वालों के बजाय रोजगार देने वाला बनने का आत्मविश्वास मिला है।

राहुल का शिक्षकों के मामले में राष्ट्रपति से दखल का आग्रह

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह पश्चिम बंगाल के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों से जुड़े मामले में दखल दें तथा सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित करें कि निष्पक्ष तरीकों से चुने गए उम्मीदवारों को सेवा जारी रखने की अनुमति मिले। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति को गुरुवार को अमान्य करार देते हुए उनकी चयन प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण करार दिया था।

अमेरिका ने खाद्य सहायता कार्यक्रम को मदद बंद की

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने अफगानिस्तान, सीरिया, यमन और 11 अन्य गरीब देशों में लाखों लोगों के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम को वित्तीय सहायता देना बंद कर दिया है, जबकि इनमें से कई देश संघर्ष का सामना कर रहे हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस फैसले को वापस लेने की अपील की।

SIT ने सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क से की पूछताछ

संभल। समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क से मंगलवार को संभल में पिछले साल एक मस्जिद के अदालती आदेश पर किए गए सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा के संबंध में पूछताछ की गई। बर्क सुबह करीब 11:30 बजे 10 से अधिक वकीलों के साथ नखासा थाने पहुंचे और मामले की जांच कर रहे एसआईटी के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। इस जिस दौरान उनसे पिछले साल 24 नवंबर को कोट गर्वी इलाके में हुई हिंसा के बारे में सवाल पूछे गए। मुगलकालीन जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी।

जालंधर: भाजपा नेता के आवास पर विस्फोट, दो लोग गिरफ्तार

ISI व लॉरेंस बिश्नोई के सहयोगियों ने रची थी साजिश: पुलिस

एजेंसी | चंडीगढ़

पंजाब में भाजपा के नेता मनोरंजन कालिया के जालंधर स्थित आवास पर सोमवार देर रात अज्ञात लोगों ने हथगोला फेंका, लेकिन घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने कहा कि यह घटना राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की आईएसआई और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों की साजिश थी।

पुलिस ने बताया कि कालिया के आवास पर फेंके गए हथगोले के विस्फोट में एल्युमीनियम की दीवार (पार्टिशन), कांच की खिड़कियां, उनकी एसयूवी और एक मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। कालिया जालंधर में शास्त्री मार्केट के पास स्थित अपने घर पर थे, जब रात करीब एक बजे विस्फोट हुआ। पुलिस ने बाद में इस घटना के संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने यहां मीडिया को बताया कि वारदात में इस्तेमाल किया गया ई-रिक्शा भी बरामद कर लिया गया है। शुक्ला ने कहा कि पुलिस ने घटना के 12 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान की आईएसआई की एक बड़ी साजिश थी। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के सहयोगी जीशान अख्तर और शहजाद भट्टी ने साजिश रची थी। भट्टी पाकिस्तानी गैंगस्टर है।

पुर्तगाल के संसद सदस्यों से भेंट

पुर्तगाल में मंगलवार को पुर्तगाल की संसद के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको और संसद के सदस्यों के साथ वार्ता के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

वक्फ अधिनियम को चुनौती

SC 15 को कर सकता है सुनवाई, केंद्र ने दायर की कैविएट

एजेंसी | नई दिल्ली

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में 15 अप्रैल को सुनवाई होने की संभावना है। हालांकि, केंद्र ने मंगलवार को शीर्ष अदालत में एक 'कैविएट' दायर की और इन याचिकाओं पर कोई आदेश पारित किए जाने से पहले सुनवाई किए जाने का अनुरोध किया। 'कैविएट' किसी पक्षकार द्वारा उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट में यह सुनिश्चित करने के लिए दायर की जाती है कि इसे सुने बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जाए।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने सात अप्रैल को जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल को याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर विचार करने का आश्वासन दिया था। द्रमुक, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद, एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी, राजद सांसद मनोज झा और फैयाज अहमद, आम आदमी पार्टी विधायक अमानतुल्लाह खान ने भी अधिनियम की वैधता को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर की है।

J&K विधानसभा में हंगामा, कार्यवाही बाधित

जम्मू कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) एवं अन्य सदस्यों द्वारा वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर चर्चा के लिए कार्य स्थगन की अनुमति नहीं दिए जाने पर हंगामा किए जाने के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। मंत्रियों सहित सत्ता पक्ष ने भी पीडीपी के साथ मिलकर अधिनियम पर चर्चा की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उनकी मांग खारिज किए जाने के बाद सत्ता पक्ष ने लगातार दूसरे दिन सदन की कार्यवाही बाधित की।

मुर्शिदाबाद में प्रदर्शन, पुलिस वाहनों में आग लगाई

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर कथित तौर पर पथराव किया गया और उसके वाहनों में आग लगा दी गई। यह घटना जंगीपुर इलाके में हुई जहां दोपहर में बड़ी संख्या में लोग इस कानून को वापस लेने की मांग को लेकर एकत्र हुए थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने इलाके में तैनात पुलिस पर पथराव किया और कुछ पुलिस वाहनों में आग लगा दी गई।

उत्तराधिकारी पर चर्चा का कोई सवाल ही नहीं

मोदी 2029 के बाद भी पीएम बने रहेंगे: फडणवीस

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2029 के बाद भी देश का नेतृत्व करते रहेंगे और उत्तराधिकारी पर चर्चा का कोई सवाल ही नहीं उठता।

फडणवीस का यह बयान शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के पिछले महीने के उस दावे के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मोदी यह संदेश देने के लिए नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय गए थे कि वह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मोदी के उत्तराधिकारी के बारे में नागपुर में की गई उनकी पूर्व टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर

फडणवीस ने मंगलवार को कहा, मैंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी के बारे में सोचने का यह सही समय नहीं है, क्योंकि 2029 में मोदी फिर से प्रधानमंत्री होंगे। ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री मोदी इस वर्ष सितंबर में 75 वर्ष के हो जाएंगे।

राजस्थान फैशन फेस्टिवल-2025 में दिखी फैशन और ब्यूटी विद ब्रेन की बानगी

श्रेया को मिस और लिपी को मिसेज प्राइड ऑफ राजस्थान का ताज

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान फैशन फेस्टिवल-2025 में दो दिन फैशन और ब्यूटी विद ब्रेन की बानगी देखने को मिली। मालवीय नगर स्थित फोर्ट में वंशिका आर्ट्स एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से हुए फेस्टिवल में मिस एंड मिसेज प्राइड ऑफ राजस्थान सीजन-3 और राजस्थान प्राइड अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ। फाउंडर और आयोजक पूजा मक्कड़ ने बताया कि मिस प्राइड ऑफ राजस्थान सीजन-3 की श्रेया अरोड़ा विजेता बनीं तो फर्स्ट रनरअप मुस्कान वर्मा और सैकंड रनरअप खुशबू कुमावत बनीं। वहीं, मिसेज प्राइड ऑफ राजस्थान सीजन 3 की विजेता लिपी पांडे रहीं तो फर्स्ट रनरअप अनुकृति और सैकंड रनरअप माधवी रहीं। सभी का चयन मिस प्राइड ऑफ राजस्थान-2023 दिशा कुमावत, मिसेज प्राइड ऑफ राजस्थान-2023 दलजीत परसीजा और मिस फेमिना एफबीबी कलर टॉप 7 फाइनलिस्ट ऐश्वर्या नौटियाल और मॉडल एंड एक्ट्रेस दीपांशी तिवारी ने किया।

क्राउन विनर श्रेया अरोड़ा राजस्थान फैशन फेस्टिवल 2025 के ग्रैंड फिनाले में रनरअप के साथ पोज देती हुईं। साथ में हैं पूजा मक्कड़।

गौरवशाली इतिहास व देशभक्ति की झलक

चेयरमैन के.वी.एस.एस लालचंद चिरंग और ओनर सनीर बुटीक होटल प्रतीक सलूजा ने बताया कि कैंसर सर्वाइवर ने रैंप वॉक की, जिसमें मनीला सिंह, तमन्ना वर्मा, सिमरन श्रीमाल और शशि छजलानी ने भाग लिया। एपी कलेक्शंस के अलोक अग्रवाल ने परिधान डिजाइन किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जयपुर मेयर ज्योति खंडेलवाल, मिसेज इंडिया इंटरनेशनल दीप्ती सैनी चौधरी, मूछों की लंबाई के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर राम सिंह चौहान रहे। मनोज सोनी ने निर्देशन किया। कार्यक्रम की कला और सांस्कृतिक हेड डॉ. रश्मि अरोड़ा ने बताया कि राजस्थान प्राइड अवॉर्ड्स एक्सक्लूसिव वर्ल्ड रिकॉर्ड के सपोर्ट से किए गए। 21 हस्तियों को सम्मानित किया गया। अभिषेक वशिष्ठ ने गौरवशाली इतिहास में मराठा साम्राज्य की झलक तथा सत्यमेव जयते में देश भक्ति व मां दुर्गा से ओतप्रोत भावनाओं को कलेक्शन में प्रदर्शित किया, जिसे शो स्टॉपर चेतन राजवंशी, सोफिया, माही अग्रवाल, नैना देशमुख, मुनिश मल्होत्रा ने प्रस्तुत किया। वंशिका आर्ट्स एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी की संस्थापक पूजा मक्कड़ ने बताया कि संस्कार आर्ट्स एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित और केवीएसएस अध्यक्ष लालचंद चिरंग के साथ सनीर बुटीक होटल प्रतीक सलूजा के समर्थन से फैशन वीक में शानदार प्रस्तुतियां हुईं। शिप्रा शर्मा ने मंच संचालन किया।

दीपांशी तिवारी।

Events

श्रीराम मंदिर में पाटोत्सव मनाया

बेधड़क, जयपुर। टोंक रोड स्थित महावीर नगर के श्रीराम मंदिर में त्रिदिवसीय पाटोत्सव और श्रीराम जन्मोत्सव श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। आयोजन त्रिवेणी धाम शाहपुरा के बृहद्पीठाधीश्वर रिछपाल सिंह महाराज और हाथोज धाम के महामंडलेश्वर बाल मुकुंदाचार्य के सान्निध्य में हुआ। मंदिर के 23वें स्थापना वर्ष पर वैदिक मंत्रोच्चारण, देवमंडल पूजन, राम दरबार का श्रृंगार और आकर्षक झांकी सजाई गई। संध्या कालीन महाआरती और विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। दूसरे दिन भक्ति संध्या में भक्त भजनों पर झूमते नजर आए। मंदिर को फूलों और रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया।

SKIT में स्टूडेंट वेलनेस प्रोग्राम शुरू

बेधड़क, जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथान में मंगलवार से वन-वीक स्टूडेंट वेलनेस प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। पहले दिन 'लाइफ स्किल्स एंड एथिक्स' विषय पर केंद्रित सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसकेआईटी के चेयरमैन सूरजाराम मील ने किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण है। कार्यक्रम में प्रो. धीरज जोशी, विभागाध्यक्ष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, प्रो. संगीता व्यास, हेड स्टूडेंट अफेयर्स भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. आशीष नैयर (प्रोफेसर), डॉ. सविता चौधरी (एसोसिएट प्रोफेसर) एवं डॉ. चंदन कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर) ने किया है। यह कार्यक्रम मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, मैनेजमेंट स्टडीज विभाग तथा स्टूडेंट अफेयर्स कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

100 कामगारों को बांटे हेलमेट

बेधड़क, जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने रोड सेफ्टी लाइन की ओर से लगाए गए 7वें निःशुल्क हेलमेट वितरण शिविर का राजापार्क भाटिया भवन में उद्घाटन किया। संस्था सचिव प्रताप भाटिया ने बताया कि इस दौरान कामगारों को 100 हेलमेट वितरित किए। इस पहले के तहत अब तक 706 हेलमेट दिए जा चुके हैं। इस मौके पर सराफ ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता पर बल दिया और हेलमेट की महता समझाई। शिविर में अध्यक्ष सतीश चंद्र देराश्री सेवानिवृत आईएएस, डॉक्टर आलोक खुटेटा, सुरेंद्र स्वर्णकार, भाटिया बिरादरी अध्यक्ष अजय गांधी, पार्षद स्वाति परनामी, ब्रह्माकुमार सैनी, चंद्र भाटिया, नितिन भाटिया व अन्य मौजूद रहे।

'क्विज प्लस ब्रेन बैटल' में स्टूडेंट्स ने दिए उत्साह से भरे जवाब

ज्ञान की रोशनी में संस्कृति की झलक नवरात्रि के संग लोक संगीत का रंग

प्रांजल जैन.बेधड़क

जयपुर। नवरात्रि की भक्ति, भारतीय संस्कृति की आत्मा और ज्ञान की रचनात्मक चमक... इन तीनों का संगम 'क्विज प्लस ब्रेन बैटल-नॉलेज विद फन' के मंच पर एक साथ देखने को मिला। आयोजन खंडेलवाल वैश्य गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में श्री खंडेलवाल वैश्य एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. अंजू गुप्ता ने की। इसके बाद मंच संभाला महेंद्र सुराणा ने, जिन्होंने जापान के घिबली स्टूडियो की कला से जुड़े प्रश्न पूछकर छात्राओं को उत्साह से भर दिया। जैसे-जैसे क्विज आगे बढ़ी, सुराना के सवाल भारतीय संस्कृति की गहराइयों में उतरते गए। एक विशेष क्षण तब आया जब उन्होंने नवरात्रि के महत्व और देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों पर प्रश्न पूछा। छात्राओं ने उत्साह से नौ रूपों के नाम बताए और पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

जब मंच पर गूंजा महेंद्र सुराना का लोक गीत

राजस्थानी लोक की महक बिखेरी अनामिका, अन्नु, मेघा, मुस्कान और विजयलक्ष्मी ने। उनके 'अलगोजा नृत्य' ने जैसे सभागार को किसी ग्रामीण मेले में बदल दिया। जहां छात्राओं ने अपनी संस्कृति का परिचय दिया, वहां महेंद्र सुराणा भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने मंच पर आकर एक मार्मिक लोकगीत सुनाया, जो सीधे दर्शकों के दिल में उतर गया। जो दर्शक इस अद्भुत आयोजन को प्रत्यक्ष नहीं देख पाए, वो इसका एपिसोड फर्स्ट इंडिया प्लस ओटीटी एप डाउनलोड करके देख सकते हैं। यह कार्यक्रम महीने के हर दूसरे और चौथे रविवार को प्रसारित होता है।

कार्यक्रम के दौरान तालियां बजाती उत्साहित ऑडियंस।

महेंद्र सुराणा।

सांस्कृतिक प्रस्तुति देतीं स्टूडेंट्स।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सरिता बहाई

सिर्फ सवालों तक सीमित नहीं रहा यह आयोजन। क्विज के बीच मंच पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सरिता भी बही। गीतांशी, तनिशा, प्रियांशी साहू और प्रियांशी राणावत ने नारी शक्ति को समर्पित प्रस्तुति से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इसके बाद प्रियंका पालीवाल, प्राची शर्मा, प्राची कुमारी और मनस्वी शर्मा ने दक्षिण भारतीय लोक संगीत पर मनभावन नृत्य प्रस्तुत किया।

स्टूडेंट से बात करते महेंद्र सुराणा।

1st INDIA+
ENTERTAINMENT
BEYOND BOUNDARIES
Scan to download our own OTT 1st India+

MEET & GREET

रायपुर। भारत 24 के सीबीओ मनोज जग्यासी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ मंत्रालय नया रायपुर में पी. दयानंद (सचिव, मुख्यमंत्री, अतिरिक्त प्रभार ऊर्जा विभाग, खनिज संसाधन विभाग, जनसंपर्क) से शिष्टाचार मुलाकात की।

रायपुर। भारत24 के सीबीओ मनोज जग्यासी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन, लोक निर्माण, विधि और विधायी कार्य मंत्री अरुण साव से उनके रायपुर स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों में विभिन्न विषयों पर सौहार्द्रपूर्ण चर्चा हुई।

ड्राइंग कॉम्पिटिशन 10 को

बेधड़क. जयपुर। फोस्टर किड्स प्ले स्कूल में बच्चों के लिए ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन 10 अप्रैल को किया जाएगा। स्कूल डायरेक्टर भारती शर्मा ने बताया कि कॉम्पिटिशन में बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। स्कूल की ओर से कलर शीट दी जाएगी और जीतने वाले बच्चों को उपहार दिए जाएंगे।

बालाजी के 56 केक का भोग

बेधड़क, जयपुर। मेहंदीपुर बालाजी धाम में श्री राम जन्मोत्सव मनाया गया। इस बार खास बात यह रही कि परंपरा के अनुसार 56 प्रकार की मिठाई के बजाय महंत डॉ. नरेश पुरी महाराज की प्रेरणा से 56 केक की झांकी सजाकर भोग लगाया गया। यह ऐतिहासिक भोग जयपुर की ओवन द बेकरी ने बनाया। बेकरी के लिए यह केवल केक बनाना नहीं था, बल्कि पुण्य अवसर और सेवा थी। राम नवमी पर ओवन द बेकरी ने न केवल केक रचे, बल्कि आस्था और नवाचार का संगम प्रस्तुत किया।

डीपीटीएल सीजन-5 के लिए खिलाड़ियों का ऑक्शन

बेधड़क | जयपुर

चिकित्सा से लोगों की जान बचाने वाले डॉक्टर्स प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन-5 के जरिए खेल मैदान में अपना कमाल दिखाएंगे। इसके लिए निर्वाणा पैलेस होटल में खिलाड़ियों का ऑक्शन संपन्न हुआ। लीग पैट्रन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि इस सीजन के लिए 16 सीनियर और 5 जूनियर टीमों के लिए खिलाड़ियों की नीलामी की गई। सभी टीमें अपनी रणनीति के अनुसार खिलाड़ियों का चयन करती दिखीं और कई नामी डॉक्टर खिलाड़ियों पर रिकॉर्ड तोड़ बोली लगी। लीग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन ने बताया कि कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रियंका हॉस्पिटल के डॉ. पीयूष जोशी थे, जिन्होंने सभी टीम ओनर्स को सम्मानित किया। लीग के आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि सीनियर टीम की आइकन कैटेगरी में डॉ. जयंत सेन को महात्मा गांधी हॉस्पिटल ने 40 लाख में, प्रीमियम में उदयपुर के डॉ. विकास शर्मा को 31 लाख में आर जे 13 किंग्स ने, प्लेटिनम कैटेगरी में झुंझुनूं के डॉ. राकेश जांगिड़ को 43 लाख में टीम के सी मैमोरियल ने, स्टार कैटेगिरी में दीपेन्द्र शेखावत को 29 लाख में केडी हॉट शॉट ने खरीदा। लीग को चेयरमैन डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि जूनियर वर्ग में आइकन कैटेगरी में उदयपुर के अपूर्व जैन को 45 लाख में 4 डी डायग्नोस्टिक ने, प्रीमियम कैटेगरी में पुनीत रायसिंहानी को 39 लाख में जयपुर गैस्ट्रो ने, प्लेटिनम कैटेगरी में अर्जव जैन को 11 लाख में एक्सेलकेयर ने व स्टार कैटेगरी में नीरज को 39 लाख में माया आई हॉस्पिटल ने खरीदा। लीग कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में लंदन, बंगलुरु, दिल्ली, चेन्नई सहित राजस्थान व देश विदेश से 250 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डॉ राकेश थापर, डॉ. सचिन खट्टर, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. विशाल अग्रवाल, डॉ. सुनील महावर, डॉ. हनुमान खोजा, डॉ. दिलीप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

Happy Birth day

बेधड़क.नई दिल्ली। डॉ. जगदीश चंद्र ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारत 24 के डायरेक्टर (न्यूज) सैयद उमर को उनकी शादी की सालगिरह के अवसर पर बधाई दी। साथ ही एग्जीक्यूटिव एडिटर अमित ओझा को उनके जन्मदिन पर आशीर्वाद देते हुए बधाई दी।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

FIRST INDIA

सच बेधड़क

जयपुर, बुधवार, 09 अप्रैल, 2025

एक आध्यात्मिक व्यक्ति अशांत समय में भी सांत्वना ढूंढ लेता है।
डॉ. जगदीश चंद्र, सीएमडी एंड एडिटर इन चीफ

अंतर-संसदीय संघ की 150वीं सभा

आज का भारत 'अवसरों की भूमि': ओम बिरला

बेधड़क | ताशकंद/नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उज्बेकिस्तान के समरकंद मेडिकल यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि आज का भारत 'अवसरों की भूमि' है, जहां प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से सुधार हो रहे हैं। बिरला ने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना ने देशभर में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपार अवसरों का निर्माण किया है।

इस योजना में सरकारी और निजी अस्पतालों की भागीदारी से एफएमजी डॉक्टरों को मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में योगदान देने के नए रास्ते खुले हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है, जिससे छात्रों को शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में रोजगार के कई अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विदेश में अध्ययनरत भारतीय छात्रों की सराहना करते हुए बिरला ने उन्हें भारतीय मूल्यों और संस्कृति के संवाहक बताया। उन्होंने कहा कि भारत से हजारों मील दूर रहकर भी छात्र भारतीय परंपराओं से जुड़े हुए हैं और उन्हें अपने मेजबान देशों में भी बढ़ावा दे रहे हैं।

बिरला ने कहा कि भारत दुनियाभर में बसे हर भारतीय की बराबर चिंता करता है। उन्होंने बताया कि 'मदद' पोर्टल और भारतीय दूतावासों की सक्रिय भागीदारी से प्रवासी छात्रों को शिक्षा, सुरक्षा और कॅरिअर में किसी भी प्रकार की बाधा न आए, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। ताशकंद में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत में बिरला ने कहा कि उज्बेकिस्तान में बसे भारतीय प्रवासियों का भारत के प्रति प्रेम और समर्पण प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों ने अपने प्रयासों से भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को सशक्त किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रही है नए अवसर

भारत की आर्थिक ताकत पर प्रकाश डालते हुए बिरला ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से 'विकसित भारत' अभियान से जुड़ने और निवेश तथा नवाचार के माध्यम से देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। अंतर-संसदीय संघ की 150वीं सभा के अवसर पर ताशकंद में ओम बिरला ने जॉर्जिया की संसद के चेयरमैन शाल्वा पापुआश्विली से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संसदीय राजनय को सशक्त करने, व्यापार, पर्यटन, नवाचार और डिजिटल सहयोग जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय भागीदारी को बढ़ावा देने पर चर्चा की।

सीएम ने हनुमानगढ़ में की जनसुनवाई

हनुमानगढ़/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हनुमानगढ़ एवं श्री गंगानगर जिले के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन मंगलवार को हनुमानगढ़ जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाऊस में जनसुनवाई की। सीएम शर्मा ने आमजन की परिवेदनाओं को संवेदनापूर्वक सुनते हुए अधिकारियों को उनके उचित निस्तारण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का मुख्यमंत्री द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया गया।

चाय की चुस्कियां ली

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने व्यस्त दौरे के बीच हनुमानगढ़ में टाउन रोड़ स्थित एक थड़ी पर रूककर चाय पी तथा यूपीआई से भुगतान किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बात की तथा बच्चों को पास बुलाकर दुलार किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस दौरान रास्ते में अपना काफिला रूकवाकर सफाई कार्मिकों के साथ भी आत्मीयता से मुलाकात की और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

बेधड़क FIRST

कांग्रेस की खास रणनीति

गुजरात में कांग्रेस अधिवेशन की पार्टी की खास रणनीति है। इस साल महात्मा गांधी के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की 100वीं वर्षगांठ है। साथ ही सरदार पटेल की 150वीं जयंती भी है। ये दोनों ही महापुरुष गुजरात से जुड़े हैं। ऐसे में कांग्रेस, बीजेपी से सरदार पटेल की विरासत (लेगेसी) वापस लेना चाहती है। इस वजह से कांग्रेस ने साबरमती आश्रम और सरदार स्मारक जैसी जगहों को अधिवेशन के लिए चुना है।

खेल परिषद की मेहरबानी

वर्षों से डेप्युटेशन पर कार्यरत सहायक लेखा अधिकारी पद पर खेल परिषद मेहरबान है। अनिल जैन के ट्रांसफर को दो माह से अधिक समय हो गया है, लेकिन जैन खेल परिषद से रिलीव नहीं हुए हैं। अब राज्य सहकारी निर्वाचन अधिकारी ने कोष एवं लेखा निदेशालय को पत्र लिखकर जानकारी दी है। ट्रांसफर के बाद भी उपस्थिति नहीं देने को लेकर यह सूचना भेजी गई है। खेल परिषद के सचिव भी जैन को रिलीव नहीं करना चाहते हैं। वहीं इन दिनों खेल परिषद में टेंडर पर टेंडर हो रहे हैं।

परिवहन विभाग का बुरा हाल

परिवहन विभाग की चाल कछुए की रफ्तार से भी धीमी है। विभाग एक साल में भी ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन के लिए पॉलिसी तैयार नहीं कर पाया है। करीब एक साल पहले डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कृषि भूमि पर एक एटीएस को मान्यता मिलने के बाद नए एटीएस की स्वीकृति पर रोक लगा दी थी। इसके बाद डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को एटीएस की स्वीकृति के लिए नई पॉलिसी तैयार करने के निर्देश दिए थे, लेकिन एक साल बीत जाने के बावजूद विभाग के अधिकारी पॉलिसी तैयार नहीं कर पाए हैं। विभाग में करीब एक दर्जन नए एटीएस के आवेदन पॉलिसी नहीं बनने के कारण लंबित चल रहे हैं।

रंगमंच से मोहन की दूरी

मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव की राजनीति में आने से पहले रंगमंच में गहरी दिलचस्पी थी। मोहन यादव नाटकों में सम्राट विक्रमादित्य के पिता की भूमिका निभाते थे। अब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद मोहन यादव ने रंगमंच से दूरी बना ली है। अप्रैल के दूसरे हफ्ते में दिल्ली के लाल किला मैदान पर नाटक का मंचन होगा, लेकिन सम्राट विक्रमादित्य नाटक में मोहन यादव नजर नहीं आएंगे।

हिंदू कॉलेज में 'वक्तव्य 2025' कार्यक्रम

विकसित भारत का सपना हो रहा साकार: शेखावत

बेधड़क. नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज में आयोजित 'वक्तव्य 2025' कार्यक्रम में भाग लिया और 'विकसित भारत' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का उद्देश्य जनता के सपनों को साकार करना है। देश में जैसा विकास जनता चाहती है, उसी दिशा में योजनाएं बनाई जा रही हैं और उन्हें जमीन पर उतारा जा रहा है। शेखावत ने युवाओं को देश के भविष्य का वाहक बताते हुए कहा कि कल की बागडोर संभालने वाले आज के छात्र जब विकसित भारत के इस सपने से जुड़ते हैं, तो यह अत्यंत सुखद और उत्साहजनक होता है।

राजे ने ली अफसरों की क्लास

बेधड़क. झालावाड़। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मंगलवार को झालावाड़ जिले के रायपुर कस्बे में पेयजल संकट की गंभीर शिकायतों को लेकर जल जीवन मिशन और जलदाय विभाग के अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। उन्होंने ग्रामीणों के बीच अफसरों से दो टूक कहा कि जनता गर्मी में पानी की बूंद-बूंद को तरस रही है और अफसर तृप्त बैठे हैं। इस दौरान अधीक्षण अभियंता दीपक सिंह झा सहित अन्य उपस्थित अधिकारी कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस पर राजे ने सख्त लहजे में कहा कि लोगों के धैर्य की परीक्षा मत लीजिए, यहां ऐसा हरगिज नहीं चलेगा। वसुंधरा राजे ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया पर दो ट्वीट साझा किए, जो अब चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनके साथ झालावाड़-बारां सांसद और पुत्र दुष्यंत सिंह भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान वसुंधरा राजे ने कड़ोदिया गांव में सीएचसी भवन और मथानिया में पीएचसी भवन का उद्घाटन भी किया।

देवनानी की गोवा के राज्यपाल से मुलाकात

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गोवा राजभवन में राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। पिल्लई ने श्री देवनानी को अपनी लिखी पांच पुस्तकें भेंट कीं, जबकि देवनानी ने उन्हें राजस्थान विधानसभा में नवाचारों से जुड़ा प्रकाशन और स्मृति चिह्न भेंट किया। गोवा प्रवास के दौरान सिंधी समाज व अन्य सामाजिक संगठनों ने देवनानी का स्वागत किया। उन्होंने गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से मुलाकात कर सिंधी समाज की समस्याओं पर चर्चा की।

नए स्वरूप में ढाली जाएंगी DCC: पायलट

बेधड़क | अहमदाबाद

कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को कहा कि जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) को नया स्वरूप प्रदान किया जाएगा और जिला अध्यक्षों को अधिक राजनीतिक ताकत देकर हर गांव, मंडल व बूथ तक पहुंचने का प्रयास होगा।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस एकजुट होकर भाजपा को मजबूत चुनौती देगी और आने वाले चुनावों में जीत हासिल करेगी। पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक के स्थल के बाहर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस कार्य समिति की बैठक और अधिवेशन नई इबारत लिखेगा। उन्होंने कहा कि गुजरात वो सरजमीं है, जहां कांग्रेस की जड़ें बहुत मजबूत हैं। आज देश में लोगों की आवाज, विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश हो रही है, इसमें कांग्रेस की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। उन्होंने कहा कि यहां से जो संदेश निकलेगा वह पूरे देश में जाएगा। पायलट ने कहा कि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता मिलकर भाजपा और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को संसद के बाहर व भीतर चुनौती देंगे।

आरएएस अधिकारियों पर सरकार की टेढ़ी नजर

ओझा और कौशिक की चर्चाओं से हतप्रभ है अफसरशाही!

राजेंद्र छाबड़ा। | बेधड़क

जयपुर। जूनियर ब्यूरोक्रेसी और जिलों में पोस्टेड अधिकारियों के कारनामों, अनियमितताओं तथा गलत आचरण के बारे में शिकायतें और मीडिया में खबरें तो सामान्य बात है, लेकिन राजधानी जयपुर में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत काडर के दो सीनियर अधिकारियों की कारगुजारी की जानकारियां व खबरें सामने आई हैं, इससे समूची ब्यूरोक्रेसी हतप्रभ है। दोनों ही अधिकारियों- पंकज ओझा और विभू कौशिक से जुड़े मामले अति गंभीर हैं।

दोनों के खिलाफ अब जो कार्रवाई हो रही है, वह भी अपने आप में असाधारण है। 2001 बैच के आरएएस पंकज ओझा की गिनती काडर के ब्रिलियंट व चर्चित अधिकारियों में की जाती है। 24 वर्षों की अब तक की सर्विस में उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। वे ऐसे एकमात्र आरएएस अधिकारी हैं, जिनके नाम लिम्का बुक, गोल्डन बुक, इंडिया बुक और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सहित कुल आधा दर्जन रिकॉर्ड दर्ज हैं। ये सभी कीर्तिमान उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए अपने काम में नवाचार करके बनाए हैं। पंकज ओझा को भागवत गीता कंठस्थ याद है और गीता तथा प्राच्य विद्याओं के ज्ञाता हैं। इनका सनातन धर्म के प्रति विशेष लगाव है।

पंकज ओझा।

नेहा गिरी।

विभु कौशिक

वे आरएएस एसोसिएशन में सक्रिय हैं और एसोसिएशन ने उन्हें अपना प्रवक्ता बना रखा है, लेकिन इस प्रतिभावान आरएएस अधिकारी के खिलाफ ऐसी शिकायत व मामला सामने आया है कि उसने सबको चौंका दिया है। लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि क्या पंकज ओझा ऐसा भी कर सकते हैं। पंकज वर्तमान में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के एडिशनल डायरेक्टर की पोस्ट पर काबिज हैं। पिछले एक वर्ष में उन्होंने मिलावटखोरों के खिलाफ जिस तरह का अभियान चला रखा है, उससे उन्होंने आमजन की वाह-वाही बटोरी है, लेकिन इसी क्रम में मिलावटखोरों के साथ उनकी मिलीभगत और सांठगाठ का एक ऑडियो वायरल हुआ है। इसमें पांच लाख रुपए की रिश्वत की बातचीत है। इस वायरल ऑडियो की पुष्टि होना बाकी है, लेकिन गंभीर बात तो यह है कि चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर विभाग ने असाधारण कदम उठाते हुए एसीबी को पत्र लिखकर पंकज ओझा से जुड़े उक्त मामले की जांच करने को कहा है। विभागीय मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया है कि उक्त पत्र में इस अधिकारी पर पद के दुरुपयोग और मिलावट माफिया से मिलीभगत का आरोप लगाया गया है। एसीबी ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

राज्य के प्रशासनिक इतिहास में अपने प्रकार का यह पहला ही मामला है। 2006 बैच के आरएएस विभू कौशिक वर्तमान में राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। 18 साल की अब तक की सर्विस में वे 10 साल से भी ज्यादा समय तक मंत्रियों के पीएस या एसए रहे हैं। इस दौरान वे तीन बार एपीओ भी हुए हैं। पिछली कांग्रेस सरकार में तो लालचंद कटारिया के स्पेशल असिस्टेंट रहते हुए वे मंत्री के अधीन तीनों डिपार्टमेंट में इनके डायरेक्टर से भी ज्यादा पावरफुल थे। एनिमल हसबेंडरी डिपार्टमेंट में तो वे महीनों तक प्रेक्टिकली डायरेक्टर बने हुए थे। लगभग 10 वर्षों बाद उन्हें मौजूदा सरकार ने मंत्रियों से हटाकर एडमिनिस्ट्रेटिव जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन अभी वे 50 दिनों की लंबी मेडिकल छुट्टी पर चले गए।

लौटते ही उन्हें आरएमएसईएल की एमडी नेहा गिरी ने न केवल छह आरोपों के साथ चार्जशीट थमा दी, बल्कि उन्हें सस्पेंड कर देने की ही डीओपी की सिफारिश कर दी। चार्जशीट में समय पर दवाओं की खरीद में लापरवाही, 21 फर्मों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने, दवाओं के वर्कऑर्डर की फाइल अटकाए रखने और दवाओं के स्टॉक की जानकारी एमडी को नहीं देने के आरोप शामिल हैं। एमडी ने विभू कौशिक से 50 दिन की मेडिकल छुट्टी की डॉक्टर रिपोर्ट भी मांगी है। एक आरएएस अधिकारी के खिलाफ उनके आईएएस बॉस की इस तरह की कड़ी कार्रवाई का यह अपने प्रकार का पहला ही मामला सामने आया है। यह बात विवाद का विषय हो सकती है कि क्या नेहा गिरी की कार्रवाई नियम-सम्मत है? क्या वे सीधे ही चार्जशीट दे सकती हैं और क्या सस्पेंड करने की सिफारिश कर सकती हैं? क्योंकि लगाए गए सभी आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, ऐसे में विभू कौशिक एक बार तो संकट में आ गए हैं।

राजपुरोहित अभी तक रिलीव नहीं

आईएएस प्रकाश राजपुरोहित को सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली जाना है। उन्हें मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमी अफेयर में डायरेक्टर की जिम्मेदारी संभालनी है। उन्हें तीन सप्ताह में दिल्ली पहुंचने का समय दिया गया है। तीन सप्ताह 4 अप्रैल को पूरे हो गए हैं, लेकिन डीओपी ने उन्हें अभी तक रिलीव नहीं किया है। फाइल कहां और क्यों अटकी पड़ी है, इसकी जानकारी पता नहीं चल पा रही है। लेकिन, देरी होने पर प्रकाश का डेपुटेशन संकट में आ सकता है।

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स के लिए मुद्रक व प्रकाशक अनिता हाड़ा सागवान द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 304-308 थर्ड फ्लोर, सिटी मॉल, भगवानदास रोड, सी-स्कीम जयपुर-302001 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
प्रधान संपादक: डॉ. जगदीश चंद्र, **प्रबंध संपादक:** पवन अरोड़ा, **संपादक:** मनोज माथुर*, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 **फोन नं. :** 0141-4920504 (ऑफिस), **ई-मेल:** sachbedhadakdaily@gmail.com, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।